दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास....

सिद्धार्थनगर
मंगलवार, 22 अप्रैल 2025
वर्ष: 12 अंक: 129 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रुपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

रेड 2 का गाना तुम्हे दिल्लगी हुआ ...8

हमारी सरकार जिन नीतियों पर काम कर रही है, वे आगामी 1,000 वर्ष का भविष्य तय करेंगी: पीएम मोदी

पिछले 10 साल में भारत धीमी गति के परिवर्तन से आगे बढ़कर अब प्रभावशाली बदलाव देख रहा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार जिन नीतियों पर काम कर रही है, वे आगामी 1,000 वर्ष का भविष्य तय करेंगी। मोदी ने यहां सिविल सेवा दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के समग्र विकास का तात्पर्य है कि कोई भी गांव, कोई भी परिवार और कोई भी नागरिक पीछे न छूटे। उन्होंने कहा, "आज हम जिन नीतियों पर काम कर रहे हैं और जो निर्णय ले रहे हैं, वे आगामी 1,000 वर्ष के भविष्य को आकार देंगे।" मोदी ने कहा कि भारत का आकांक्षी समाज – युवा, किसान और महिलाएं – और इसके सपने अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा, "इन असाधारण आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए असाधारण गति आवश्यक है।" प्रधानमंत्री ने कहा कि शासन की गुणवत्ता इस बात से निर्धारित होती है कि योजनाएं लोगों तक कितनी गहराई से पहुंचती हैं और उनका जमीनी स्तर पर कितना वास्तविक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में भारत धीमी गति के परिवर्तन से आगे बढ़कर अब प्रभावशाली बदलाव देख रहा है। उन्होंने कहा, "भारत शासन, पारदर्शिता और नवोन्मेष में नए मानक स्थापित कर रहा है।" मोदी ने कहा कि प्रौद्योगिकी के युग में शासन का मतलब प्रणाली का प्रबंधन करने से नहीं है, बल्कि इसका तात्पर्य संभावनाओं को बढ़ाना है। उन्होंने 2023 में भारत द्वारा आयोजित जी–20 शिखर सम्मेलन का जिक्र करते हुए कहा कि जनभागीदारी के दृष्टिकोण ने इस आयोजन को लोगों के आंदोलन में बदल दिया और दुनिया ने इसे स्वीकार किया। उन्होंने कहा, "भारत सिर्फ भाग नहीं ले रहा, बल्कि नेतृत्व कर रहा है।" मोदी ने सिविल सेवकों से गरीबों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील होने, उनकी आवाज सुनने, उनकी संवेदनशीलता का सम्मान करने और उनकी समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देने को कहा।

नहीं रहे पोप फ्रांसिस

वेटिकन में शोक की लहर, कौन होगा उत्तराधिकारी?

पोप फ्रांसिस का 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया। इसकी घोषणा वेटिकन कैमरलेंगो कार्डिनल केविन फेरेल ने की। फैरेल ने घोषणा में कहा कि आज सुबह 7:35 बजे, रोम के बिशप फ्रांसिस पिता के घर लौट आए। उनका पूरा जीवन प्रभु और उनके चर्च की सेवा के लिए समर्पित था। नए पोप का चुनाव कैसे होता है? पोप उत्तराधिकार से जुड़ी रस्में सदियों पुरानी हैं, लेकिन कैथोलिक पत्रकारों और शोधकर्ताओं की एक टीम द्वारा प्रत्येक कार्डिनल के लिए एक नई ऑनलाइन गाइड तैयार करने के बाद इस प्रक्रिया को आधुनिक रूप दिया गया है, जो अगला पोप चुनेंगे। कॉलेज ऑफ कार्डिनल्स रिपोर्ट – एक स्वतंत्र, इंटरैक्टिव वेबसाइट। क्रूक्स ने कहा – सभी 252 कार्डिनल्स के विवरण प्रस्तुत करती है, जिसमें महिला डेकन की नियुक्ति करने, समान–लिंग विवाह को आशीर्वाद देने और पुजारी ब्रह्मचर्य को वैकल्पिक बनाने जैसे मुद्दों पर उनका रुख शामिल है। रिपोर्ट में सूचीबद्ध 252 कार्डिनल्स में से, उनमें से 137 वर्तमान में 80 वर्ष से कम आयु के हैं और इसलिए कॉन्क्लेव – पोप चुनाव में भाग लेने के पात्र हैं। पोप की मृत्यु या त्यागपत्र के बाद, कार्डिनल्स को वेटिकन के सिस्टिन चैपल में बुलाया जाता है, जहां वे गोपनीयता की शपथ लेते हैं। इस दौरान, वे संभावित उम्मीदवारों की योग्यता पर चर्चा कर सकते हैं।

कौन हो सकता है उत्तराधिकारी:
कार्डिनल पिएत्रो पारोलिन, इटली 70 वर्षीय इतालवी कार्डिनल पिएत्रो पारोलिन पोप फ्रांसिस के विदेश मंत्री हैं और वर्तमान में उनके उत्तराधिकारी बनने के लिए सबसे मजबूत दावेदार हैं। उन्हें 10 साल पहले अमेरिका–क्यूबा के बीच संबंधों में आई दरार और 2018 के वेटिकन– चीन समझौते में मध्यस्थता के लिए जाना जाता है।
कार्डिनल लुइस एंटोनियो टैगले, फिलीपींस 67 वर्षीय फिलिपिनो कार्डिनल लुइस एंटोनियो टैगले लंबे समय से वेटिकन पर नजर रखने वालों एक प्रमुख पापबिली रहे हैं। अमेरिकी कैथोलिक ने कहा कि वह मीडिया–प्रेमी, करिश्माई और खुशमिजाज हैं।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने पीएफआई नेता की हिरासत पैरोल की याचिका पर एनआईए से जवाब मांगा

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के नेता ओएमए सलाम की 15 दिनों की हिरासत पैरोल के अनुरोध वाली याचिका पर राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति रवींदर डुडेजा ने कहा, "राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के अधिवक्ता लिखित जवाब दाखिल करने के लिए समय मांग रहे हैं। शुक्रवार, 25 अप्रैल को सुनवाई होगी।" प्रतिबंधित संगठन और उसके सदस्यों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत गिरफ्तार सलाम ने बेटी के निधन के बाद के कार्यक्रम में शामिल होने के लिये केरल स्थित अपने गृहनगर में हिरासत में यात्रा करने की अनुमति मांगी थी।

सिस्टम में कुछ गड़बड़ है...

राहुल गांधी ने फिर विदेशी धरती से भारत का किया अपमान! जानें अमेरिका में अब क्या कहा?

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेरिका के दौरे पर हैं। बोस्टन में प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता ने महाराष्ट्र चुनाव का मुद्दा उठाया और भारतीय चुनाव प्रक्रिया पर संदेह जताते हुए कहा कि चुनाव आयोग ने समझौता कर लिया है। उन्होंने दावा किया कि व्यवस्था में कुछ बहुत गड़बड़ है। महाराष्ट्र चुनाव पर बोलते हुए गांधी ने कहा कि दो घंटे में मतदाता सूची में 65 लाख मतदाताओं का नाम जुड़ गया, जो असंभव था। उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह बहुत स्पष्ट है कि चुनाव आयोग ने समझौता कर लिया है, व्यवस्था में कुछ बहुत गड़बड़ है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि महाराष्ट्र में कुल लोगों की संख्या से अधिक लोगों ने मतदान किया और यह एक तथ्य है... चुनाव आयोग ने हमें शाम करीब साढ़े पांच बजे एक आंकड़ा दिया और दो घंटे यानी साढ़े सात बजे के आसपास 65 लाख मतदाताओं ने मतदान किया, जो शारीरिक रूप से असंभव है। इससे पहले, चुनाव आयोग के सूत्रों ने मतदाता सूची में हेराफेरी के बारे में राजनीतिक दलों के आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 24 के तहत बहुत कम प्रथम या द्वितीय अपील दायर की गई थी, जो मतदाता सूची में प्रविष्टियों में सुधार की अनुमति देती है। सूत्रों के अनुसार, महाराष्ट्र में केवल 89 अपील दर्ज की गईं। देश की चुनावी प्रक्रिया पर राहुल गांधी की आलोचनाओं का जवाब देते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता प्रदीप भंडारी ने कहा कि लोकतंत्र विरोधी, भारत विरोधी राहुल गांधी जो भारतीय मतदाताओं का विश्वास नहीं जीत सके, वे विदेशी धरती पर भारतीय लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठाने लगे हैं। राहुल हमेशा विदेशी धरती पर भारत को बदनाम क्यों करते हैं? जॉर्ज सोरोस का एजेंट जो भारतीय राज्य से लड़ रहा है – यही आज राहुल गांधी का इरादा है।

सीएम रेखा गुप्ता ने लॉन्च किया हीट एक्शन प्लान 2025, तीन हजार वाटर कूलर और प्याऊ की सुविधा पर जोर

नई दिल्ली। दिल्ली में भारत में सबसे ज्यादा तापमान दर्ज किया गया है। अधिकतम तापमान 52.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आज 21 अप्रैल को दोपहर 12 बजे गर्मी से निपटने की कार्ययोजना पर चर्चा के लिए आयोजित बैठक में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, "अगर दिल्ली पूरे भारत में सबसे गर्म जगह है, तो दिल्ली में भी तैयारी होनी चाहिए। ऐसी गर्मी में क्या उपाय किए जाने चाहिए? राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) की ओर से एक विस्तृत योजना दी गई है, जिस पर अमल किया जा रहा है। दिल्ली सरकार तीन हजार वाटर कूलर लगाएगी।" सीएम की अध्यक्षता में सभी मंत्री और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। हीटवेव एक्शन प्लान के बारे में बताते हुए गुप्ता ने कहा, "एक हजार वाटर कूलर सड़कों पर, एक हजार सरकारी इमारतों में और एक हजार दूरदराज के इलाकों में लगाए जाएंगे। जिन सड़कों पर हम चलते हैं, उन्हें छाया की जरूरत होती है, इसलिए सरकार कूलिंग शेल्टर लगाएगी और बस स्टॉप को भी बेहतर बनाएगी। दिल्ली सरकार मौसम विभाग के साथ मिलकर हीट अलर्ट जारी करेगी। बड़े अस्पतालों में हीट वार्ड बनाए जाएंगे।

इसरो ने फिर स्पेस में कर दिखाया बड़ा कारनामा, डेक्स उपग्रहों की दूसरी डॉकिंग भी सफल

श्रीहरिकोटा। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने घोषणा की कि स्पैडेक्स उपग्रहों की दूसरी डॉकिंग के सफल समापन के साथ भारत की अंतरिक्ष डॉकिंग क्षमताओं ने एक और मील का पत्थर स्थापित किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर सिंह ने लिखा कि स्पैडेक्स अपडेट: यह बताते हुए खुशी हो रही है कि उपग्रहों की दूसरी डॉकिंग सफलतापूर्वक पूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष आधारित डॉकिंग प्रयोग (स्पैडेक्स) मिशन को 30 दिसंबर 2024 को पीएसएलवी–सी60 पर लॉन्च किया गया था। मिशन में शामिल उपग्रहों को पहली बार 16 जनवरी 2025 को सुबह 6:20 बजे सफलतापूर्वक डॉक किया गया और बाद में 13 मार्च 2025 को सुबह 9:20 बजे अनडॉक किया गया। सिंह के अनुसार, मिशन के तहत आगे के प्रयोग अगले दो हफ्तों में होने वाले हैं। इससे पहले 13 मार्च को इसरो ने कहा था कि उसने अपने स्पैडेक्स मिशन के लिए अंतरिक्ष डी–डॉकिंग को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह अंतरिक्ष यान को अपने आप डॉक करने में सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो पृथ्वी से नेविगेशन सहायता पर निर्भर किए बिना चंद्रयान–4 जैसे भविष्य के चंद्र मिशनों के लिए आवश्यक होगा।

अखिलेश यादव का बड़ा दावा, महाकुंभ के दौरान योगी को पीएम उम्मीदवार घोषित करने का था प्लान

■ "भाजपा सच्चे आंकड़े छिपाने और झूठे आंकड़े दिखाने में माहिर

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला करते हुए समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर धार्मिक महाकुंभ मेले को राजनीतिक तमाशा बनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस आयोजन को बेहद खराब तरीके से प्रबंधित किया गया और इसे पक्षपातपूर्ण हितों की पूर्ति के लिए फिर से इस्तेमाल किया गया। उन्होंने यहां तक संकेत दिया कि इस उत्सव में अगले प्रधानमंत्री की घोषणा करने की योजना थी। इस आयोजन को राजनीतिक बताते हुए कन्नौज के सांसद ने प्रयागराज में संवाददाताओं से कहा, जहां वे एक शादी में शामिल होने गए थे। उन्होंने कहा, महाकुंभ की विफलता के लिए मुख्यमंत्री खुद जिम्मेदार हैं। उन्होंने इसे भाजपा के कार्यक्रम में बदलने का प्रयास किया। प्रधानमंत्री के नाम की घोषणा करने की भी योजना थी। यह धार्मिक कुंभ नहीं था, बल्कि राजनीतिक था। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ऐसा सुनने में आ रहा है कि महाकुंभ के दौरान प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर उनके (आदित्यनाथ) नाम की घोषणा करने की योजना थी। उन्होंने दावा किया, क्या आपने कभी कुंभ के दौरान टीवी चैनलों को साक्षात्कार देते देखा है? यहां ऐसी व्यवस्था की गई थी। इस पूरे कुप्रबंधन ने आयोजन के आयोजन पर एक बड़ा धब्बा लगा दिया है। यादव ने कहा कि भविष्य में, आप और भी बेहतर समझेंगे। कई बातें शायद मुझ तक न पहुंचें, लेकिन आप यहां रहते हैं – आप सच्चाई जानते हैं। सपा प्रमुख ने यह भी कहा कि विपक्षी दल भारत 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में भी जारी रहेगा। उन्होंने भाजपा पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह वक्फ (संशोधन) विधेयक के जरिए माफिया की तरह जमीन हड़पने की कोशिश कर रही है। यादव ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) भाजपा को सत्ता से उखाड़ फेंकेगा। सपा प्रमुख ने दावा किया कि सरकार ने घटना के दौरान हताहतों की संख्या और वित्तीय लाभ के बारे में गलत आंकड़े दिए और आरोप लगाया कि जनवरी में भगदड़ के दौरान ड्रोन और सीसीटीवी निगरानी विफल रही।

खालिस्तान समर्थक मेरी हत्या की साजिश रच रहे

केंद्रीय मंत्री बिट्टू का बड़ा दावा

केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने आरोप लगाया है कि वारिस पंजाब दे संगठन से जुड़े कुछ खालिस्तान समर्थक तत्व उनकी और पंजाब के अन्य राजनीतिक नेताओं की हत्या की साजिश रच रहे हैं। मंत्री ने दावा किया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चैट के लीक हुए स्क्रीनशॉट के जरिए उनकी साजिश का पर्दाफाश हो गया है। व्हाट्सएप चैट के स्क्रीनशॉट से कथित तौर पर पता चला है कि इसके सदस्य राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत अमृतपाल सिंह की हिरासत को एक साल और बढ़ाने को लेकर बिट्टू और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को निशाना बनाने की मंशा रखते हैं। हाल ही में पंजाब सरकार ने अमृतपाल की हिरासत को एक साल और बढ़ा दिया है। 32 वर्षीय अमृतपाल फिलहाल असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद हैं। वह खडूर साहिब से निर्दलीय सांसद हैं। 23 अप्रैल, 2023 को गिरफ्तार किए जाने के बाद उन्हें एनएसए के तहत हिरासत में रखा गया था।

निशिकांत दुबे पर एसवाई कुरैशी का पलटवार

कुछ लोगों के लिए धार्मिक पहचान नफरत वाली राजनीति को...

नई दिल्ली। पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त एसवाई कुरैशी ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे पर पलटवार किया। कुरैशी ने कहा कि वह भारत के विचार को मानते हैं जहां लोगों की पहचान उनकी प्रतिभा और योगदान से होती है। कुरैशी ने भाजपा सांसद दुबे पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोगों के लिए धार्मिक पहचान नफरत वाली राजनीति को आगे बढ़ाने का जरिया होती है। उन्होंने कहा कि भारत अपनी संवैधानिक संस्थाओं और सिद्धांतों के लिए खड़ा रहा है, खड़ा है और खड़ा रहेगा। कुरैशी ने कहा कि मैंने चुनाव आयुक्त के संवैधानिक पद पर अपनी पूरी क्षमता से काम किया है और आईएएस में मेरा लंबा और संतुष्टिदायक करियर रहा है।

मैं भारत के ऐसे विचार में विश्वास करता हूं, जहां किसी व्यक्ति को उसकी धार्मिक पहचान से नहीं, बल्कि उसकी प्रतिभा और योगदान से पहचाना जाता है। उन्होंने कहा, लेकिन मुझे लगता है कि कुछ लोगों के लिए धार्मिक पहचान उनकी नफरत भरी राजनीति को आगे बढ़ाने का एक मुख्य साधन है। भारत हमेशा अपने संवैधानिक संस्थानों और सिद्धांतों के लिए खड़ा रहा है और लड़ता रहेगा। कुरैशी जुलाई 2010 से जून 2012 तक भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त रहे। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने रविवार को कुरैशी की आलोचना करते हुए उन्हें चुनाव आयुक्त की बजाय मुस्लिम आयुक्त कहा था। भाजपा सांसद का यह बयान ऐसे समय में आया है जब एक दिन पहले ही उन्होंने भारत के मुख्य न्यायाधीश और सर्वोच्च न्यायालय पर निशाना साधते हुए टिप्पणी की थी, साथ ही वक्फ (संशोधन) अधिनियम की आलोचना की थी – एक ऐसा कानून जिसकी कुरैशी ने पहले निंदा की थी और कहा था कि यह मुस्लिम भूमि हड़पने के लिए सरकार की एक भयावह और बुरी योजना है। जवाब में दुबे ने कुरैशी पर मुख्य चुनाव आयुक्त के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान सांप्रदायिक पक्षपात करने का आरोप लगाया। भाजपा सांसद ने कहा, आप चुनाव आयुक्त नहीं थे, आप मुस्लिम आयुक्त थे। आपके कार्यकाल के दौरान झारखंड के संथाल परगना में सबसे ज्यादा बांग्लादेशी घुसपैठियों को मतदाता बनाया गया। उन्होंने कहा, पैगंबर मोहम्मद का इस्लाम भारत में 712 में आया। उससे पहले यह भूमि (वक्फ) उस धर्म से जुड़े हिंदुओं या आदिवासियों, जैनियों या बौद्धों की थी।

अस्पताल में भर्ती पश्चिम बंगाल के राज्यपाल, सीने में दर्द की शिकायत, ममता ने भी जाना हाल–चाल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस को सीने में दर्द की शिकायत के बाद सोमवार को पूर्वी कमान अस्पताल में भर्ती कराया गया। राजभवन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्हें सुबह करीब 10 बजे यहां ले जाया गया। डॉक्टर फिलहाल उनकी स्थिति पर नजर रख रहे हैं और जरूरी जांच के बाद इलाज के अगले चरण पर फैसला लेंगे। पश्चिम मेदिनीपुर के सालबोनी में जेएसडब्ल्यू के 1,600 मेगावाट के बिजली संयंत्र के शिलान्यास समारोह में भाग लेने के लिए रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अस्पताल में बोस से मुलाकात की। हावड़ा के डुमुरजोला हेलीपैड पर हेलीकॉप्टर में चढ़ने से पहले बनर्जी ने संवाददाताओं से कहा, मैंने राज्यपाल से कमांड अस्पताल में मुलाकात की, क्योंकि वह बीमार हैं।

अग्नि सुरक्षा के उपकरणों का गहनता से निरीक्षण किया गया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। डा० अश्वनी कुमार मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा शासन/महानिदेशालय द्वारा स्वास्थ्य सुविधाओं में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से दिनांक 21 से 28 अप्रैल 2025 तक अग्निसुरक्षा सप्ताह मनाये जाने के निर्देश प्राप्त दिया गया है जिसके क्रम में अपर निदेशक महोदय मीरजापुर मण्डल द्वारा डा० जी० प्रसाद संयुक्त निदेशक विन्ध्याचल मण्डल मीरजापुर को जनपद सोनभद्र में फायर सेफ्टी की व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रखने हेतु निरीक्षण किये जाने का निर्देश दिया गया। डा० जी०प्रसाद संयुक्त निदेशक, मुख्य चिकित्साधिकारी सोनभद्र एवं डा० जी०एस० यादव, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से उक्त के सम्बन्ध में मेडिकल कालेज, 100 बेडेड एम०सी०एच० विंग, एवं पी०पी०सी० राबर्ट्सगंज का निरीक्षण किया गया। संयुक्त निदेशक डा० जी०प्रसाद द्वारा अग्नि सुरक्षा के समस्त उपकरणों का गहनता से निरीक्षण किया गया एवं उपस्थित स्टाफ से उक्त के सम्बन्ध में माकड्रिल भी कराया गया, माकड्रिल के समय फायर एलार्म सिस्टम व फायर हाइड्रेन्ट वाटर पम्प हाउस सही ढंग से कार्य करते हुए पाया गया। फायर आडिट की एन०ओ०सी० प्राप्त है जिसकी वैधता 22 जुलाई 2025 है। समस्त फायर इक्स्टींग्यूसर क्रियाशील पाये गये एवं वैधता 11 जुलाई 2025 पायी गयी। इलेक्ट्रिकल वायरिंग सिस्टम भी चुस्त-दुरुस्त पायी गयी। मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा उपस्थित अधिकारियों/स्टाफ को निकासी द्वार पर बोर्ड लगाने एवं समस्त उपकरणों के परीक्षण की तिथि अंकित किये जाने का निर्देश दिया गया।

जिला वृक्षारोपण समिति, पर्यावरण समिति एवं गंगा समिति की बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी की अध्यक्षता में आज विकास भवन सभागार में जिला वृक्षारोपण समिति, पर्यावरण समिति एवं गंगा समिति की बैठक सोमवार को की गयी, बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वृक्षारोपण हेतु जिन विभागों को जो भी लक्ष्य दिये गये हैं, वह उसके अनुरूप गड्ढा खुदाई का कार्य ससमय कर लें और वर्ष-2023-24 में किये गये वृक्षारोपण के सापेक्ष जीवितता प्रतिशत रिपोर्ट उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें, हरीतिमा ऐप पर लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत जीओ टैगिंग कराना सुनिश्चित करें समस्त राजकीय, निजी स्वास्थ्य केन्द्रों, अस्पतालों तथा पशु चिकित्सालयों से उत्पन्न होने वाले जैव चिकित्सा अपशिष्ट मानक के अनुसार निस्तारित किया जाये, उद्योगों द्वारा खतरनाक अपशिष्ट को नदियों व तालाबों में जाने से रोकने हेतु प्रभावी कार्यवाही की जाये, खनिज परिवहन से उत्पन्न होने वाले लाईऐस के नियंत्रण हेतु प्रभावी कार्यवाही की जाये, नदियों को स्वच्छ निर्मल व अविरल रखने हेतु जागरूकता अभियान चलाया जाये, .पि विभाग द्वारा सोन नदी के किनारे बसे गांवों में किसानों को आर्गेनिक प्राकृतिक खेती हेतु जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाये। इस मौके पर डीएफओ राबर्ट्सगंज कुंज बिहारी वर्मा, डीएफओ ओबरा, डीएफओ रेनुकूट सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के तहत श्रृण हेतु करे आवेदन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी किरन श्रीवास्तव ने अवगत कराया है कि उ0प्र0 माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित "मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना" अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र में माटीकला शिल्पकार जो माटी से निर्मित मूर्तियां, खिलौने, बर्तन, नरीयां, खपुआ, भवन निर्माण सामग्री घरेलू उपयोग के उत्पाद, प्रेसर कुकर, घड़ा, सुराही, जग, कुल्हड़, गिलास, अचारदानी, कटोरी, कप, प्लेट, डोंगे इत्यादि गृहोपयोगी एवं सजावटी वस्तुएं (गुलदस्ता, गार्डन पॉटर्स, बोनसाई पॉट्स, लैम्प्स इत्यादि) बनाते हैं "विद्युत चलित चाक, पेन्टिंग मशीन, पगमिल, इलेक्ट्रानिक भट्ठी इत्यादि मशीनें" खरीदने हेतु उद्यमियों को धनराशि रूपया 10.00 लाख तक का ऋण बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराया जायेगा। योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु जनपद का लक्ष्य प्राप्त हो चुका है, जिसमें उद्यमियों को टर्म लोन पर 25 प्रतिशत मार्जिनमनी अनुदान दिये जाने का प्राविधान है। योजनान्तर्गत लाभार्थियों की आयु 18 वर्ष पूर्ण होनी चाहिए, उद्यमी परम्परागत कारीगर हो, ऋण आवेदन हेतु आवेदक का फोटोग्राफ, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, शैक्षिक योग्यता, प्रोजक्ट रिपोर्ट, तकनीकी योग्यता सम्बन्धी प्रमाण पत्र एवं राशन कार्ड आवश्यक है। इच्छुक लाभार्थी माटीकला बोर्ड की वेबसाइट **http:@@www-joinindianarmy-nic-in** पर ऑनलाइन आवेदन कर सकता है, अधिक जानकारी के लिए कार्यालय के सी0यू0जी0दूरभाष नं0-9580503175, 8127311624 पर एवं नियर मिशन हास्पिटल पिपरी रोड स्थित जिला ग्रामोद्योग कार्यालय राबर्ट्सगंज सोनभद्र में किसी भी कार्यालय में कार्य दिवस पर सम्पर्क किया जा सकता है।

दोषी पति को 7 वर्ष का कठोर कारावास

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। करीब साढ़े 6 वर्ष पूर्व हुए संगीता देवी हत्याकांड के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश एफटीसी/ सीएडब्लू सोनभद्र अर्चना रानी की अदालत ने सोमवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी पति संतलाल को 7 वर्ष का कठोर कारावास व 11 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर दो माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक मृतका संगीता देवी के पिता श्री किशुन पुत्र स्वर्गीय कैलाश बैगा निवासी बहेराडोल, थाना हाथीनाला, जिला सोनभद्र ने 17 नवंबर 2018 को म्योरपुर थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि उसने अपनी बेटी संगीता देवी की शादी करीब 14 वर्ष पूर्व संतलाल पुत्र सोमारू निवासी ग्राम चौरी, थाना म्योरपुर, जिला सोनभद्र के साथ किया था। बेटी संगीता देवी को उसका पति संतलाल आए दिन प्रताड़ित करता रहता था। जिसकी वजह से कई बार ग्राम प्रधान व सम्भ्रांत लोगों की मौजूदगी में सुलह समझौता भी कराया गया, लेकिन दामाद में कोई बदलाव नहीं आया। 16 नवंबर 2018 को बेलन से मारकर बेटी संगीता देवी की हत्या कर दिया। इसकी जानकारी उसे देर में दी गई है।

रिपोर्ट दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई करें। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना किया। पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी पति संतलाल को 7 वर्ष की कठोर कैद व 11 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 2 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील सत्यप्रकाश त्रिपाठी ने बहस की।

11511 रुद्राक्ष से कराया गया रुद्राभिषेक

विराट रुद्र महायज्ञ में श्रद्धालुओं ने की यज्ञ मंडप की परिक्रमा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। रामगढ़ कस्बा स्थित भिखारी बाबा आश्रम परिसर में चल रहे विराट रुद्र महायज्ञ में सोमवार को सातवें दिन 11511 रुद्राक्ष से रुद्राभिषेक कराया गया। इसके अलावा जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से आहुति दी गई। श्रद्धालुओं ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा की। इस दौरान हर हर महादेव के जयकारे से समूचा यज्ञ स्थल गुंजायमान रहा। प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के आयोजक/ संयोजक भिक्षुक भिखारी जंगली दास दीनबंधु रमाशंकर गिरी जी महाराज ने बताया कि भिखारी बाबा आश्रम परिसर में नौ दिवसीय विराट रुद्र महायज्ञ कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। विराट रुद्र महायज्ञ के सातवें दिन 11511 रुद्राक्ष से रुद्राभिषेक कराया गया। जिसमें 10900 पंचमुखी रुद्राक्ष और 611 दोमुखी रुद्राक्ष शामिल रहा। जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से आहुति दी गई। जिससे पर्यावरण प्रदूषण की समस्या से निजात मिल सके। इसके अलावा श्रद्धालुओं ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा की। इस दौरान हर हर महादेव के जयकारे से समूचा यज्ञ स्थल गुंजायमान हो गया। यज्ञाचार्य राजेश तिवारी, आचार्य योगेश तिवारी, आचार्य गिरीश पाठक के जरिए विराट रुद्र महायज्ञ का कार्यक्रम सातवें दिन संपन्न कराया गया। प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारा में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। नागालैंड से आए संत शिरोमणि पीरा लाल जी व कथा व्यास पंडित राजेश तिवारी के जरिए सुनाई गई कथा का भी श्रद्धालुओं ने श्रवण किया। विराट रुद्र महायज्ञ के यजमान राजेश कुमार पाठक व उनकी धर्मपत्नी शिव शक्ति महिला मंडल की संरक्षिका सुशीला पाठक के साथ ही भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट की उपाध्यक्ष चिंता मौर्या, खुशबू मौर्या, शकुंतला चौबे, सविता चौबे, नयना मिश्रा, उर्मिला, किरन सोदनपाल, राजकुमार गुप्ता, सुशीला, रीता देवी, करूणा सिंह, सत्या मौर्या, कलावती चौबे, .मालती, विमला देवी, हीरा सिंह, कालो देवी, इन्द्रपति पांडेय, ईश्वर पटेल, शुभराम, मुन्ना बाबा, अमय आदि मौजूद रहे।

शिक्षकों ने राज्यसभा सांसद को सौपा ज्ञापन

कुशीनगर। जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ कुशीनगर के जिलाध्यक्ष की अगुवाई में एक प्रतिनिधि मंडल राज्य सभा सांसद कुंवर आरपीएन सिंह से मिला और ज्ञापन सौंपकर बेसिक शिक्षा विभाग में वित्त एवं लेखाधिकारी के पद पर पदस्थापन की मांग की। जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिंह की अगुवाई में शिक्षकों ने सांसद आरपीएन सिंह को अवगत कराया कि त्रिभुवन लाल के स्थानांतरण के बाद से वित्त एवं लेखाधिकारी के पद का प्रभार वरिष्ठ कोषागार अधिकारी के पास है। जिससे शिक्षकों शिक्षामित्रों अनुदेशकों के वेतन, एरियर आदि कार्यों में कठिनाई हो रही है। वित्त एवं लेखाधिकारी के पद पर पूर्णकालिक नियुक्ति वाले अधिकारी की तैनाती आवश्यक है। जिलामंत्री छेदी प्रसाद ने कहा कि मिड डे मिल कन्वर्जन कास्ट के भुगतान में दिक्कतें आ रही है। प्रतिनिधि मंडल में भुवनेश्वर सिंह, महेश रज्जाक, सतीश पासवान, डॉ धारा सिंह, ब्रजमोहन, अवधेश प्रसाद, ऋषिकेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

उप जिलाधिकारी ने किया पी0एच0सी0 कौड़ीराम का औचक निरीक्षण

कौड़ीराम। उप जिलाधिकारी बांसगांव श्री प्रदीप सिंह ने आज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कौड़ीराम का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर चल रहे कार्यक्रमों को देखा और संतुष्ट हुए। इस अवसर पर चल रहे ए०एन०एम० और सी०एच०ओ० की बैठक में भी भाग लिया और उनसे संवाद भी किया। और 24 अप्रैल से 10 मई तक चलने वाले विशेष टीकाकरण अभियान डिप्थीरिया और टिटनेस के बारे में भी विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ0 संतोष कुमार वर्मा, चिकित्सा अधिकारी डॉ0 वैभव साही, डॉ0 किरन वर्मा, डॉ0 विनय श्रीवास्तव, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी अवैध नाथ सिंह, सहायक शोध अधिकारी कृजेश कुमार मद्धेशिया, स्वास्थ्य पर्यवेक्षक रवि प्रकाश राय, कपिल देव, उमेश कुमार वर्मा, मनीष कुमार, सहित सभी अधिकारी एवं कर्मचारी गण, ए०एन०एम० और सी०एच०ओ० उपस्थित रहे।

जीवन में चाहिए गति भी और प्रगति भी : आचार्य विनोद जी

संवाददाता

गोरखपुर। ग्राम पंचायत मलांव में श्री कौस्तुभ नारायण सेवक पाण्डेय जी के सत्प्रयास से आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के सप्त

आयोजन में सुप्रसिद्ध कथा वाचक आचार्य श्री विनोद जी महाराज ने कहा गति का अर्थ है स्थान परिवर्तन जैसे घर से बाजार या ऑफिस जाना, जबकि प्रगति का अर्थ है जीवन में श्रेष्ठ गुणों का विकास – जैसे शांति, सेवा, दया, भक्ति आदि। यदि जीवन में दोष बढ़े और गुण घटें, तो वह अधोगति कहलाती है। उन्होंने कहाकृष्णाज लोग दिनभर गति में हैं, पर प्रगति नहीं हो रही। जैसे मुंबई में लोकल ट्रेनें 23 घंटे चलती हैं, फिर भी लोग बेचैन हैं। असली प्रगति आचरण से होती है, केवल पैरों से नहीं। प्रगति के लिए आवश्यक है उत्तम आचरण। ईश्वर उसी से प्रसन्न होते हैं जो धर्म का पालन करता हैकृमअनद यदि उसके लिए तपस्या ही क्यों न करनी पड़े। कथा में भक्तजन देर रात तक भक्ति-रस में लीन रहे। पाण्डेय परिवार सहित समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे। क्षेत्रीय श्रद्धालुओं को सपरिवार सादर आमंत्रण दिया गया।

किशोरियों संग स्वास्थ्य परिचर्चा का किया गया आयोजन

लाडली शरण्या त्रिपाठी के जन्मोत्सव पर नयी दिशा द्वारा किया गया कार्यक्रम

कुशीनगर। किशोरावस्था के दौरान किशोरियां विभिन्न प्रकार के शारीरिक और मानसिक परिवर्तनों से गुजरती हैं और संकोच व झिझक के कारण इस दौरान हो रही दिक्कतों को साझा नहीं कर पाती। इन परिवर्तनों विशेषकर मासिक धर्म के प्रति किशोरियों को जागरूक करने के उद्देश्य से नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा कस्या विकास खण्ड स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय सेमरा हरदो में अध्ययनरत किशोरियों संग स्वास्थ्य परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन कर उन्हें जागरूक करते हुए झिझक, संकोच और शर्म को छोड़कर खुलकर बोलने हेतु प्रेरित किया गया। उन्हें सेनेटरी पैड भी भेंट किया गया।

सोमवार को किशोरियों को जागरूक करते हुए बुद्ध पीजी कॉलेज कुशीनगर में मनोविज्ञान की आचार्य एवं नयी दिशा अध्यक्ष डॉ0 सीमा त्रिपाठी ने कहा कि किशोरावस्था में बालिकाओं में बहुत से शारीरिक, मानसिक और भावात्मक परिवर्तन होते हैं। जैसे शरीर के आकार में परिवर्तन, मासिक धर्म का आना, तीव्र भावनाओं का महसूस होना आदि। यह परिवर्तन उनके जीवन में बहुत उथल पुथल मचाते हैं। सही जानकारी के अभाव में बालिकाएं इन परिवर्तनों के साथ समायोजन स्थापित नहीं कर पाती या फिर गलत तरीका अपनाती हैं। इस कारण आगे चलकर उन्हें बहुत सी स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। विशेष रूप से मासिक धर्म से जुड़ी हुई भ्रांतियां और उससे जुड़ी हुई झिझक उनके लिए हानिकारक हो जाती है। मासिक धर्म आने पर बच्चियों को कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि आगे चलकर उन्हें कोई समस्या न हो। पहली बात है साफ सफाई। अनिवार्य रूप से प्रतिदिन हल्के गुनगुने पानी से नहीं, साफ सूत वस्त्र, विशेष रूप से अंत वस्त्र धारण करें। हर आठ घंटे पर सैनिटरी पैड बदलें। यदि कपड़े का प्रयोग कर रही हैं तो साफ धुले हुए और तेज धूप में 5 से 6 घंटे सूखे हुए सूती कपड़े का प्रयोग करें। वजन उठाने और भारी कार्य करने से बचें, शरीर को पूरा विश्राम दें। साथ ही यदि पेट या कमर में बहुत दर्द है तो गरम पानी का सेंक लें। दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष है

खान पान। इसका विशेष रूप से ध्यान रखें तथा पौष्टिक आहार लें हरी सब्जी, फल और दाल को भोजन में शामिल करें। अधिक तेल, मसाला, चटपटा खाना खाने से बचें। इसके अतिरिक्त बच्चियों को अपने चक्र की अवधि तथा स्राव की मात्रा का भी ध्यान रखना चाहिए। यदि मासिक धर्म अनियमित है या बहुत अधिक रक्त स्राव हो रहा है तो इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए और तुरंत किसी महिला रोग विशेषज्ञ की सलाह लेनी चाहिए।

कार्यक्रम लाडली शरण्या त्रिपाठी के जन्मोत्सव पर उनके परिजनों के सहयोग से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन नयी दिशा सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र ने किया। इस अवसर पर प्रो0 रामभूषण मिश्र, डॉ0 सत्यप्रकाश, शिक्षक नेता राजेश शुक्ल, प्रधानाध्यापक सतीश पासवान, अमला प्रसाद, प्रमोद चतुर्वेदी, श्रद्धा पांडेय, गिरिजा देवी, लीलावती देवी, विनीत शुक्ल, नयी दिशा उपाध्यक्ष इंद्र कुमार मिश्र आदि उपस्थित रहे।

उप निबंधक द्वारा आए दिन की जाती है वैध अवैध धन उगाही:नागेंद्र शुक्ला

महाराजगंज। नौतनवा तहसील बार एसोसिएशन के वरिष्ठ सदस्य अधिवक्ता नागेंद्र शुक्ला ने उप निबंधक नौतनवा पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए शासन-प्रशासन को कठघरे में खड़ा कर दिया है। श्री शुक्ला ने संबंधित उच्चाधिकारियों को शिकायती पत्र भेजते हुए मामले की जांच कर उचित कार्रवाई किए जाने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो वह जल्द ही उप निबंधक कार्यालय के विरुद्ध मोर्चा खोलेंगे और धरना-प्रदर्शन व आंदोलन के लिए बाध्य होंगे श्री शुक्ला का कहना है कि उप निबंधक कार्यालय में लगातार अनियमितताएं, भ्रष्टाचार और आम नागरिकों व अधिवक्ताओं के साथ दुर्व्यवहार जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं जिससे आमजन त्रस्त हैं। उन्होंने कहा कि कई बार इन मुद्दों को शांतिपूर्ण तरीके से उठाया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि प्रशासन इस मामले को गंभीरता से नहीं लेता है, तो वह शीघ्र ही सत्याग्रह की राह पकड़ेंगे और जरूरत पड़ी तो बड़े आंदोलन का भी रास्ता अख्तियार करेंगे। अधिवक्ता संघ के अन्य सदस्य भी इस मामले में श्री शुक्ला के साथ खड़े नजर आ रहे हैं, जिससे आने वाले दिनों में यह मुद्दा और तूल पकड़ सकता है। शिकायती पत्र में श्री शुक्ला ने उप निबंधक की कार्यशैली की विस्तृत जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस प्रकरण को किस प्रकार लेता है और क्या कार्रवाई करता है।

16 जून तक जनपद में धारा 163 लागू

गोरखपुर। जिला मजिस्ट्रेट कृष्णा करूणेश ने विभिन्न त्यौहारों, परीक्षाओं तथा इसके अतिरिक्त राजनैतिक एवं गैर राजनैतिक दलों के धरना प्रदर्शन, जुलूस के आयोजन को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने तथा शांति व्यवस्था बनाये रखने एवं किसी साम्प्रदायिक अप्रिय घटना को रोकने हेतु जनपद के महानगरीय परिसीमा क्षेत्र से संबंधित थाना क्षेत्रों में आगामी 16.06.2025 तक नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163 लागू कर दिया है, जिसका उल्लंघन भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-223 की धारा 223 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध होगा।

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री के सिद्धार्थनगर आगमन पर भव्य स्वागत

दैनिक बुद्ध का सन्देश
सिद्धार्थ नगर। बढ़नी बाजार सिद्धार्थ नगर केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के सिद्धार्थनगर आगमन पर जिला अध्यक्ष कन्हैया पासवान ने अपने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ सिद्धार्थनगर बलरामपुर बॉर्डर पर भव्य स्वागत किया वित्त राज्य मंत्री भारत सरकार पंकज चौधरी अपने व्यक्तिगत कार्य हेतु पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती साधना चौधरी के आवास पर आए थे वहां पर उन्होंने सभी पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से बातचीत किया तथा वहां उपस्थित लोगों की समस्याओं को भी सुना नगर पंचायत अध्यक्ष सुनील अग्रहरि ने अपने पत्र में रेहड़ी पटरी वालों के लिए पुन: बैंकों से कार्य करने के लिए उचित दर पर ऋण मिल सके ताकि वह पुन अपना कार्य शुरू करके अपना जीवन यापन कर सके इसी क्रम में शोहरतगढ़ नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने भी अपनी बात रखी इस अवसर पर जिला अध्यक्ष कन्हैया पासवान जिला मंत्री फते बहादुर सिंह, अजय उपाध्याय जिला मीडिया प्रभारी निशांत पांडे मंडल अध्यक्ष रमेश मणि त्रिपाठी पूर्व मंडल अध्यक्ष त्रिपुरी अग्रहरि, सिद्धार्थ पाठक सिद्धार्थ चौधरी राजू शाही, विनीत कमलापुरी, राम पाल चौधरी सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

विधायक ने सरस्वती शिशु मंदिर के नव–निर्मित कक्ष का किया लोकार्पण

दैनिक बुद्ध का सन्देश
शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। विधानसभा शोहरतगढ़ के महथा बाजार गांव में सोमवार को सरस्वती शिशु मंदिर के नव–निर्मित कक्ष का किया लोकार्पण विधायक विनय वर्मा द्वारा किया गया। नव निर्मित कक्ष का उद्घाटन/लोकार्पण के दौरान विधायक विनय वर्मा ने बताया कि शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र में अपने विधायक निधि 2022–2023 में महथा बाजार के सरस्वती शिशु मंदिर के भवन का शिलान्यास 27 मई 2023 को किया गया था, जिसकी कुल स्वीकृत लागत रू.93 लाख है। विधायक ने कहा कि यह भवन विद्यालय के छात्र–छात्राओं को समर्पित है, जो आने वाले समय में देश के निर्माणकर्ता बनेंगे। उनके लिए एक सुरक्षित, सुव्यवस्थित और प्रेरणादायक शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। विधायक ने कहा कि डबल इंजन की सरकार शिक्षा के क्षेत्र में ठोस कार्य कर रही है और यह उसी की एक कड़ी है। उन्होंने कहा कि विधायक निधि का हर अंश समाज, छात्रहित और लोकहित में उपयोग हो, यही मेरा संकल्प है, और यही मेरा सोच है। जब निवेश किताबों, कलमों और क्लास रूम पर होता है, तब भविष्य अपने आप मजबूत बनता है। इस दौरान रामदास मौर्या, संजय कसौधन बबलू श्रीवास्तव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सामाजिक प्रतिबद्धता का क्षेत्र है पत्रकारिता: पूर्व सांसद राजेश पाण्डेय

विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को किया गया स्व. अवधेश तिवारी स्मृति पूर्वांचल रत्न सम्मान से सम्मानित

कुशीनगर। सोशल मीडिया के दौर में प्रिंट मीडिया के सामने चुनौतियां बढ़ गई हैं। विशाल पट फलक के रूप में आज सोशल मीडिया पूरी दुनिया में फैल चुकी है। हालांकि सबसे पहले प्रिंट मिडिया ही विकसित हुआ लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है दौर आते जाते रहेंगे। उक्त बातें कुशीनगर के पूर्व सांसद राजेश पाण्डेय उर्फ गुड्डू भईया ने बतौर मुख्य अतिथि के रूप में बौद्ध संग्रहालय में जर्नलिस्ट्स वेलफेयर आर्गनाइजेशन उत्तर प्रदेश के संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय अवधेश तिवारी की 13 वीं पुण्यतिथि पर जे.डब्लू.ओ कुशीनगर एवं श्वेतप्रभा शैक्षिक, सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं पर्यावरणीय मंच कुशीनगर के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को राजकीय बौद्ध संग्रहालय कुशीनगर में आयोजित समकालीन दौर में प्रिंट मिडिया की चुनौतियां विषयक संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि डिजिटल और प्रिंट दोनों मीडिया का अपना महत्व है। सुबह उठ कर हम टीवी नहीं देखते है बल्कि अखबार खोल कर देखते हैं। टीवी समाचार हम अधिकांशतः शाम को ही देखते हैं। प्रिंट मिडिया को जांच करने के लिए बहुत सारी आवश्यकता होती है। जबकि सोशल मिडिया को इसकी आवश्यकता नहीं होती। प्रिंट मिडिया में आज की खबरें कल पढ़ने को मिलती है जबकि इलेक्ट्रानिक एवं सोशल मिडिया पर तत्काल खबरें देखने और पढ़ने को मिल जाती है। प्रिंट मिडिया में हमें विस्तार पूर्वक कला, संस्कृति, आर्टिकल आदि पढ़ने को मिल जाता है लेकिन डिजिटल मिडिया में नहीं मिल पाता है। डिजिटल मिडिया में खबरें केवल आंशिक रूप में ही पढ़ने को मिल पाता है। दोनों का महत्व भी है तथा चुनौतियां भी। विशिष्ट अतिथि बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. विनोद मोहन मिश्र ने कहा कि प्रिंट मीडिया का अस्तित्व कभी समाप्त नहीं होगा। आज भी प्रिंट मीडिया की खबरें पूरी तरह प्रासंगिक हैं। प्रिंट मीडिया के खबरों की विश्वसनीयता अभी कायम है। उदित नारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय पडरौना प्राचार्य प्रो. ममता मणि त्रिपाठी ने अपने सम्बोधन में कही कि सोशल मीडिया की भरमार हुई है। जिससे प्रिंट मीडिया पर प्रभाव भी पड़ा है। लेकिन प्रिंट मीडिया की विश्वसनीयता और महत्व आज भी बना हुआ है। नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल ने कहा कि आज प्रिंट मीडिया सोशल मीडिया से प्रभावित हुआ है। आज कल हर व्यक्ति मीडिया हो गया है। सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया सहित शिक्षा व अन्य क्षेत्रों में प्रभावित किया है। फिर भी प्रिंट मिडिया की विश्वसनीयता है। पूर्व प्राचार्य प्रो.अमृतांशु शुक्ल ने कहा कि आज के परिवेश में प्रिंट मीडिया हर क्षेत्र में न्याय दिलाने के लिए सबसे मजबूत स्तम्भ है। हर व्यक्ति विश्वसनीयता पर न्यूज पेपर जरूर पढ़ता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने कहा कि प्रिंट मीडिया का कभी भी अस्तित्व समाप्त नहीं होगा। दुनिया में हर एक के सामने चुनौतियां हैं स इलेक्ट्रानिक मिडिया को भी प्रिंट मीडिया का ही सहारा लेना पड़ता है स कहीं भी प्रिंट मीडिया पीछे नहीं है स अखबार छपित कर हम जरुर पढ़े। मैं दावा करता हूँ कि प्रिंट मीडिया को कोई पीछे नहीं कर सकता। इससे पहले विषय प्रवर्तन करते हुए प्रो गौरव तिवारी ने कहा कि समकालीन दौर में प्रिंट मीडिया के सामने बड़ी चुनौतियां है हर व्यक्ति इस समय सोशल मीडिया हो गया। प्रिंट मीडिया को व्यवसायिक रूप से बांध दिया गया है। इसके बावजूद प्रिंट मीडिया सबसे विश्वसनीय है। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती व स्वर्गीय अवधेश तिवारी के चित्र पर माल्यार्पण कर व उनके समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। अतिथियों का स्वागत संयोजक आलोक कुमार तिवारी ने किया तथा कार्यक्रम के अंत में आभार ज्ञापित भी किया। संचालन शिक्षक राधेश्याम त्यागी ने किया। इस अवसर पर नगरपालिका परिषद कुशीनगर अध्यक्ष किरन राकेश जायसवाल, समाजसेवी केशव सिंह, डॉ. निरंकार राम त्रिपाठी, डॉ. आशुतोष तिवारी, डॉ. निगम मौर्य, डॉ. शशिकांत पाण्डेय, चंद्र प्रताप सिंह, डॉ. सौरभ द्विवेदी, अजय पाण्डेय, कन्हैया तिवारी, रामेश्वर तिवारी, राजेश सिंह, अशोक तिवारी, विजय शंकर गुप्ता, विशाल तिवारी, राज बहादुर राय, विनयकांत मिश्र, रोटरी क्लब अध्यक्ष प्रदीप जली, राजेश शुक्ला आदि सहित प्रिंट व इलेक्ट्रानिक मिडिया के पत्रकार, शिक्षक और छात्र व छात्राएं मौजूद रहे। इन्हें किया गया सम्मानित——— पत्रकारिता के क्षेत्र में कुन्दन मिश्र व संजय चाणक्य, सामाजिक क्षेत्र में राकेश जायसवाल, साहित्यिक क्षेत्र में दिनेश तिवारी भोजपुरिया, सांस्कृतिक क्षेत्र में सुनील मिश्र, शैक्षिक क्षेत्र में लौम्हसन पब्लिक स्कूल व कुशीनगर पब्लिक स्कूल को राजकीय बौद्ध संग्रहालय में आयोजित कार्यक्रम में स्व.अवधेश तिवारी स्मृति पूर्वांचल रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। इनके अतिरिक्त गायक हरिलाल हरी, तेजप्रताप शुक्ल, प्रेमशंकर सिंह सूर्यवंशी व सुप्रसिद्ध उदघोषक राधेश्याम यादव को भी सम्मानित किया गया।

आग लगने से कई पेड़ झुलसे

दैनिक बुद्ध का सन्देश
उसका बाजार सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के उधहरिया में अज्ञात कारणों से सोमवार को आग लग गई जिससे आम के कई पेड़ झुलस गए। आग को बढ़ता देख ग्रामीणों ने आग की तरफ बाल्टी में पानी ले दौड़े। आग पर कोशिशों के बाद काबू न पाने पर वहां लगे पंपिंग सेट का का सहारा लेना पड़ा और पूरे बगीचे में पानी भरा गया तब जाकर आग पर काबू पाया गया। वहां के निवासी सागर ने बताया कि मालूम नहीं चला कि कैसे आग इतनी तेज से लग गई जब आग का धुंआ उठता हुआ देखे तो जाकर देखने लगे कि कहा लगी है। बगीचा में आग लगता देख जल्दी जाया गया और पंपिंग सेट चालू कर आग पर काबू पाया गया लेकिन आम के ज्यादा पेड़ झुलस गए है।

अधिवक्ताओं ने विधायक विनय वर्मा से किया मुलाकात

दैनिक बुद्ध का सन्देश
शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। विधायक विनय वर्मा द्वारा जनता दर्शन एवं जनता सेवा कार्यक्रम में सोमवार को आवास/कैम्प

कार्यालय, टीचर कॉलोनी, गढ़ाकुल, शोहरतगढ़ में प्रतिष्ठित बार एसोसिएशन सिद्धार्थनगर के अधिवक्ताओं का आगमन हुआ। विधायक ने आये हुए सभी अधिवक्ताओं से मुलाकात कर सबका कुशल क्षेम जाना। इस दौरान बार एसोसिएशन सिद्धार्थनगर के अधिवक्ताओं द्वारा भगवान राम एवं भगवान राधे–कृष्ण की फोटो स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। साथ ही अधिवक्ताओं ने जिले के कई मुद्दों पर विधायक से चर्चा परिचर्चा किया गया। इस दौरान बार एसोसिएशन के अध्यक्ष इन्दु सिंह, उपाध्यक्ष प्रशान्त कुमार मिश्र, कोषाध्यक्ष राजेश कुमार मिश्र, अधिवक्ता शेषमणि प्रजापति, सहोदर त्रिपाठी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

तेज रफ्तार कार पेड से टकराई, 6 की मौत 2 घायल

कार के उडे परखच्चे, गैस कटर की मदद से कार काटकर शव और घायलों को निकाला गया बाहर

कुशीनगर। जनपद के नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के शुकुल नुजौली गांव के समीप रविवार की देर रात बारात में जा रही एक कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इस दौरान कार में सवार आठ लोगो में से छह लोगों की मौत हो गई। जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें जिला अस्पताल से गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गये है। स्थानीय लोगों ने गैस कटर की मदद से कार काट कर लोगों को बाहर निकाला। दुर्घटना के शिकार सभी कुशीनगर जनपद के ही रहने वाले हैं।

जानकारी के अनुसार जनपद के खड्डा–पडरौना मार्ग पर पडरौना की तरफ से तेज रफ्तार में खड्डा की ओर जा रही कार शुकुल नुजौली के समीप सड़क के दाएं तरफ पेड़ से टकरा गई। हादसे की आवाज सुनकर मौके पहुंचे लोगों और पुलिस ने बचाव कार्य शुरू किया। गैस कटर और हथौड़े की मदद से कार को काट कर उसमें फंसे शव और घायल लोगों को बाहर निकाला गया। हादसे में तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई। जबकि बाकी तीन की सांसे चल रही थीं जिन्हे गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां तीन और लोगों की मौत हो गई। दो घायलों को मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर किया गया है। बताया जाता है कि सभी लोग बारात में शामिल होने जा रहे थे। हादसे के कारण कुछ समय के लिए ट्रैफिक बाधित हो गया। कार चालक की पहचान 33 वर्षीय ओमप्रकाश मद्धेशिया पुत्र राम किशुन नारायणपुर चरगहां विजयपुर थाना रामकोला के रूप में हुई।

मृतक और घायल——दुर्घटना में हरेंद्र मद्धेशिया पुत्र शंकर मद्धेशिया, ओमप्रकाश मद्धेशिया पुत्र राम किशुन मद्धेशिया, रंजीत मद्धेशिया पुत्र राजेंद्र मद्धेशिया, मुकेश पुत्र रामानंद, भीम यादव पुत्र लक्ष्मण निवासी नारायणपुर चरगहां, रामकोला और एक अज्ञात की मौत हो गई। ओमप्रकाश मद्धेशिया कार का चालक था। वहीं राज किशोर पुत्र हरिश्चंद्र और बजरंगी पुत्र शंकर निवासी ग्राम अहिरौली गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। दोनों को गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

मरने वालो में एक ही परिवार के चार लोग हैं शामिल—— पुलिस प्रशासन द्वारा दी गयी जानकारी के मुताबिक मृतकों में नरायनपुर चरगहा गांव के हरेंद्र मद्धेशिया, रंजीत मद्धेशिया, ओमप्रकाश मद्धेशिया व मुकेश मद्धेशिया यह चारो एक ही परिवार के है। भीम यादव पड़ोसी है। एक की पहचान नहीं हो सकी है। घायल बजरंगी अहिरौली बाजार थाना के अहिरौली मठही और राजकिशोर नरायनपुर चरगहा के रहने वाले है। घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के वक्त मौके पर काफी अंधेरा था। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्र तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटना स्थल का निरीक्षण किया और घायलों को जिला अस्पताल भेजने का निर्देश दिया। एसपी ने बताया कि हादसे में छह लोगों की मौत और दो के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना है। इस घटना के बाद कुछ समय तक हाईवे पर ट्रैफिक भी बाधित रहा। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद यातायात को बहाल कराया।

सीएम योगी व्यक्त की शोक संवेदना——मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर गहरा शोक जताते हुए मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और घायलों के समुचित इलाज के निर्देश दिए हैं। साथ ही मृतकों के परिवारों को हर संभव सहायता देने की बात कही है।

पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी की गिरफ्तारी और ब्राह्मणों के उत्पीड़न के विरुद्ध ब्राह्मण समाज ने सौंपा ज्ञापन

कुशीनगर। । योगी सरकार में ब्राह्मणों के उत्पीड़न व पूर्व विधायक पण्डित विनय शंकर तिवारी की अवैध गिरफ्तारी के विरोध में सोमवार को ब्राह्मण समाज के लोगों ने श्री आदित्य कुमार दीक्षित के नेतृत्व में जिला मुख्यालय रविंद्रनगर स्थित जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। इस दौरान ब्राह्मण समाज के लोगों ने सरकार विरोधी नारे लगाए और सरकार को चेतावनी दिया कि ब्राह्मण समाज का उत्पीड़न बंद नहीं हुआ तो 2027 का चुनाव भाजपा के लिए ठीक नहीं होगा। जनपद मुख्यालय रविंद्रनगर धूस स्थित जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंचे ब्राह्मण समाज लोगों द्वारा पूर्व विधायक पण्डित विनय शंकर तिवारी की अवैध गिरफ्तारी और वर्तमान सरकार में लगातार हो रहे ब्राह्मणों के उत्पीड़न के विरोध में प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया। इस दौरान ब्राह्मण समाज के लोगों ने सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस सरकार में ब्राह्मण सुरक्षित नहीं है। ब्राह्मणों का लगातार उत्पीड़न किया जा रहा है। पूर्वांचल के लोकप्रिय नेता पंडित विनय शंकर तिवारी की गिरफ्तारी से सभी ब्राह्मण समाज नाराज है। उसी के दृष्टिगत आज जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन दिया गया है। बताते चले कि बीते दिनों पूर्व मंत्री स्व हरिशंकर तिवारी के पुत्र पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी को सत्ता के इशारे पर अवैध तरीके से ईडी द्वारा गिरफ्तार करने और वर्तमान सरकार में लगातार हो रहे ब्राह्मणों का लगातार उत्पीड़न के मामले सामने आ रहे है। पूर्व विधायक पण्डित विनय शंकर तिवारी एक लोकप्रिय नेता व उत्तर प्रदेश सरकार में अनेको बार मंत्री रह चुके स्व पण्डित हरिशंकर तिवारी के लड़के हैं।

चेयरमैन की अध्यक्षता में पोषण पखवाड़ा का किया आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश
शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत शोहरतगढ़ अध्यक्षा उमा अग्रवाल की अध्यक्षता में सोमवार को पोषण पखवाड़ा का आयोजन नपा सभागार में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर चेयरमैन उमा अग्रवाल ने पोषण पखवाड़ा के शुभारम्भ के अवसर पर सभी को बधाई दी। चेयरमैन उमा अग्रवाल ने सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक बुधवार व शनिवार को वीएचएनडी दिवस का आयोजन होगा, जिसमें अधिक से अधिक गर्भवती महिलाओं की जांच/चिन्हांकन, पोषाहार का वितरण, गोदभराई आदि करायें। उक्त 02 दिवस अपरिहार्य स्थिति में ही छुट्टी लें। गर्भवती महिलाओं को एक दिन पहले सूचित करें। सभी लोग मिलक आकांक्षी जनपद को कुपोषण मुक्त कराकर अग्रणी जनपद की श्रेणी में लाने के लिए कार्य करें। सभी बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का शत–प्रतिशत टीकाकरण करायें। सरकार द्वारा पोषण पखवाड़ा के माध्यम से धात्री महिलाओं, गर्भवती महिलाओं व बच्चों को पोषाहार का वितरण कर उनको कुपोषण से मुक्त कराया जायेगा। पोषण पखवाड़ा के अवसर पर गर्भवती महिलाओं की गोदभराई एवं अन्नप्राशन्न भी कराया गया। पोषण पखवाड़ा शपथ दिलाया गया। इस दौरान चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, बाल विकास परियोजना के कर्मचारी, आंगनबाड़ी कार्यकत्री सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सम्पादकीय

साथ ही,नीतिगत सुधारों के लिये पारदर्शी सर्वेक्षण की बात भी कही गई है। निस्संदेह, ऐसे प्रयासों से योजना में श्रमिकों की भागीदारी बढ़ेगी। साथ ही जरूरी है कि मनरेगा के जरिये उत्पादक कार्यों को बढ़ावा दिया जाए। जिससे देश की कर्मशील आबादी में वृद्धि होगी। शायद तब देश के अस्सी करोड़ों लोगों को मुफ्त अनाज बांटने की जरूरत न होगी...

दिन व मजदूरी बढ़ाने की सिफारिश

भले ही मौजूदा केंद्रीय सरकार में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा को लेकर उत्साहजनक प्रतिसाद नजर न आता हो, लेकिन बदलते वक्त में पैदा चुनौतियों में भी इसकी प्रासंगिकता कम नहीं हुई है। कोरोना काल में इस योजना की उपयोगिता को साबित किया है। देश के ग्रामीण अंचल में जहां एक ओर लाखों श्रमिकों व महिलाओं को रोजगार मिला, वहीं अन्य राज्यों के लिये होने वाले पलायन पर रोक लगी। सही मायनों में देश के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिये एक उम्मीद बनकर उभरा है मनरेगा। खासकर अकुशल श्रमिकों को अपने घर के आसपास काम मिलने से लाखों घरों के चूल्हे जलते रहे हैं। लंबे समय से इस योजना के लिये धन आवंटन तथा काम के दिन व मजदूरी बढ़ाने की मांग होती रही है।

जिस पर संसद की स्थायी समिति ने मोहर लगा दी है। दरअसल हाल ही में संपन्न बजट सत्र के अंतिम सप्ताह में संसदीय समिति ने मंदी की आहट व ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के चलते श्रम दिवसों की संख्या डेढ़ सौ दिन करने के साथ मजदूरी चार सौ रुपये प्रतिदिन करने की सिफारिश की है। निस्संदेह, बढ़ती महंगाई व अदृश्य बेरोजगारी दूर करने में ये बदलाव लाभकारी साबित हो सकते हैं। मौजूदा दौर में कम मजदूरी में जीवन-यापन लगातार कठिन होता जा रहा है। यदि ये बदलाव सिरे चढ़ते हैं तो योजना के सार्थक परिणाम सामने आएंगे। जिसे मूर्तरूप देने हेतु मनरेगा के लिये आवंटित धन में वृद्धि भी जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि मनरेगा को लेकर अनेक विसंगतियां भी सामने आई हैं। इसमें भ्रष्टाचार और फर्जी प्रमाणपत्रों के जरिये लाभ उठाने के मामले हैं। आधार कार्ड के जरिये भुगतान ऑनलाइन करने के बाद लाखों श्रमिक फर्जी पाये गए। निस्संदेह, योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता जरूरी है। लेकिन मानना चाहिए कि ग्रामीण इलाकों में कम पढ़े-लिखे लोगों व ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग न कर पाने से भी कई तरह की विसंगतियां सामने आ सकती हैं। इसमें ठेकेदारों की मनमानी व अनियमितताओं की भी भूमिका हो सकती है। दरअसल, ग्रामीण विकास व पंचायती राज मंत्रालय की स्थायी समिति ने योजना का मूल्यांकन करके कई रचनात्मक सुझाव दिए थे। जिसमें राज्यों में मजदूरी में एकरूपता लाने तथा काम के दिन बढ़ाने के भी सुझाव शामिल थे। जिस पर अब संसद की स्थायी समिति ने मोहर लगाई है। साथ ही,नीतिगत सुधारों के लिये पारदर्शी सर्वेक्षण की बात भी कही गई है। निस्संदेह, ऐसे प्रयासों से योजना में श्रमिकों की भागीदारी बढ़ेगी। साथ ही जरूरी है कि मनरेगा के जरिये उत्पादक कार्यों को बढ़ावा दिया जाए। जिससे देश की कर्मशील आबादी में वृद्धि होगी। शायद तब देश के अस्सी करोड़ों लोगों को मुफ्त अनाज बांटने की जरूरत न होगी। लेकिन साथ ही जरूरी है कि मनरेगा के बजट आवंटन में जो ठहराव पिछले दिनों देखने में आ रहा था, उसे भी दूर किया जाए। जिसको लेकर विपक्षी कांग्रेस सत्तारूढ़ दल पर हमले बोलती रही है। कांग्रेस अपने कार्यकाल में लाई गई योजना को आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिये सुरक्षा कवच बताती रही है।

बुद्ध की डायरी : प्रेम न खेती ऊपजे

बुद्ध सर्वव्यापी हैं। वे प्रेम और करुणा की भाषा जानते हैं। महात्मा गौतम जानते हैं कि प्रेम मन की सूक्ष्म संवेदना है जो बरबस है और उसकी उदात्त और विराट संवेदना है। यह न तो खेतों में पैदा होता है और न ही दुकानों पर मोल मिलता है। प्रेम मन का उदात्त भाव है। संयोग और वियोग की दशा में चित्त वृत्तियों के क्षण क्षण परिवर्तित होते रहने वाले भाव के कारक का नाम प्रेम है। बुद्ध यह भी जानते हैं कि उदात्त और वासना जनित संवेदना इसके दो पहलू हैं। उदात्त प्रेम पुत्र के प्रति होने पर स्नेह, और आराध्य के प्रति होने पर भक्ति कहलाती है। विपरीत लिंगी के प्रति होने पर आसक्ति और देह की प्राप्ति भाव से किया गया प्रेम, वासना है। समर्पण, याचना, क्षोभ, विद्रोह इसके अवयव हैं। राग और विराग से उपजा हुआ प्रेम शाश्वत है। गौतम बुद्ध का संदेश है कि प्रेम दो दिलों को जोड़ने की शक्ति है। प्रेम मानवीय संबंधों को मजबूती और संबंधों को गहराई देने की शक्ति रखता है। यह हमें दूसरों के साथ जुड़ने की क्षमता देता है, हमारी संवेदनशीलता को उभारता है और एक-दूसरे को प्रेम और समर्थन के माध्यम से आपसी सम्बंधों को नवीनता और आनंदमय बनाने की शक्ति भी प्रदान करता है। ज्ञान के अधिष्ठाता बुद्ध कहते हैं कि प्रेम वह होता है जिसमें स्वयं के लिए कोई चाहत न हो और जिससे प्यार किया जाता है, उसका सुख ही अपना सुख लगता हो। सच्चा प्यार हमेशा शुद्ध और सात्विक होता है और सभी स्थितियों में एक सा बना रहता है। बुद्ध गीता का अवलोकन करते हैं कि प्रेम एक ऐसी भावना है जिसमें किसी को पाने की तुलना में उसमें खो जाना होता है। यह एक निस्वार्थ भावना है और इसमें त्याग होता है। प्रेम में किसी को बांधने की जरूरत नहीं होती। महात्मा गौतम कहते हैं कि आज जहां त्याग, समर्पण, निष्ठा और अपने पन का पूर्णतः अभाव है। वहां दिखावे और बाजारूपन का बोलबाला है। मनुष्य को स्वयं के हृदय में दर्पण की भांति देखने की आवश्यकता है। मनुष्य शाश्वत प्रेम का मूल्य समझे।

लेखक विनय कांत मिश्र / दैनिक बुद्ध का संदेश

हर पल सिर्फ एक बार, न जाये बेकार

हो सकता है कि एक अवधि में मिलने वाला कोई व्यक्ति आपको जीवन की नई राहें दिखा दे, आपकी समस्याओं को दूर भगा दे। इसके साथ ही आपके अंदर यह भावना भी अवश्य जन्म लेनी चाहिए कि आप भी किसी के जीवन में इची-गो-इची-ए के माध्यम से उनके मार्ग को सुनहरा बना दें। उनके कांटों को दूर करने में साधक बनें। बाधक जहां नकारात्मक शब्द है, वहीं साधक सकारात्मक और ऊर्जा से भरपूर...

रेनू सैनी

जापानी जीवनशैली अत्यंत सुंदर है। यहां के निवासी दीर्घ आयु जीते हैं। इसके पीछे अनेक कारण हैं। वे कई सकारात्मक धारणाओं को हृदय से अपनाते हैं। जापानी अवधारणा का ही एक शब्द है'इची-गो-इची-ए' इसका अर्थ होता है 'एक जीवनकाल, एक मुलाकात'। इसको इस तरह भी कहा जा सकता है कि 'हर पल सिर्फ एक बार'। यह अवधारणा हमें सिखाती है कि हमें हर पल को अनमोल समझना चाहिए। जीवन में आने वाले किसी एक संबंध पर एकाग्र होना चाहिए। कई बार ऐसा होता है कि जीवन में आने वाला एक संबंध व्यक्ति के पूरे जीवनकाल को बदल देता है। आपके जीवन में सौ छोटे-मोटे संबंधों से बेहतर है कहीं एक ऐसा संबंध या जुड़ाव जो आपके पूरे व्यक्तित्व को बदलने की सामर्थ्य रखता हो। जीवन में कई बार ऐसे मोड़ आते हैं जब व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से पंगु की हालत में आ जाता है। उस समय उसे कोई रास्ता, कोई किरण नजर नहीं आ रही होती। ऐसे बुरे वक्त में यदि कोई ऐसा व्यक्ति उसका हाथ थाम ले जो उसके मन को मजबूती दे तो दिशाएं बदल जाती हैं, हवाएं अपना रुख बदल देती हैं।

पायल नाग के हाथ-पैर दोनों ही नहीं हैं। यह बचपन से ऐसी नहीं थी। एक दुर्घटना ने उसके जीवन को भयावह बना दिया। साल 2015 में 11,000 वोल्ट की बिजली की तार छत के ऊपर से गुजर रही थी। उस

तार के संपर्क में आने के कारण पायल के हाथ-पैर बेकार हो गए। उस समय उसकी आयु केवल पांच साल थी। जब पायल के साथ यह हादसा हुआ तो कुछ समय तक तो परिवार को समझ ही नहीं आया कि ये उनके साथ क्या घटा है। माता-पिता आर्थिक रूप से विपन्न थे। उस पर लड़की के हाथ-पैर दोनों कट चुके थे। अब उसका आगे का जीवन कैसा होगा? कैसे वह समाज और जीवन में आगे बढ़ेगी? यह प्रश्न परिवार को खाए जा रहा था। माता-पिता जिला कलेक्टर के पास मदद की गुहार लेकर पहुंचे। वर्ष 2019 में पायल को बालंगीर के पर्वतगिरि बाल निकेतन अनाथालय में रखा गया। वहां पर पायल तीन साल तक रही। वर्ष 2022 में वह जम्मू आ गई और वहीं से उसके जीवन में बड़े बदलाव आने शुरू हुए।

कुछ समय बाद यहीं उसके जीवन में एक ऐसा पड़ाव आया जिससे उसके अंदर इची-गो-इची-ए की अवधारणा बलवती हो गई। हालांकि, वह इस जापानी अवधारणा को तो नहीं समझती थी, लेकिन मानवीय संवेदनाओं को अवश्य जानती थी। स्वयं को व्यस्त रखने के लिए उसने मुंह से चित्र बनाने शुरू किए। उसकी एक तस्वीर वायरल हुई। उस वायरल तस्वीर को देखकर ही कोच कुलदीप वेदवान ने उससे संपर्क किया। जब कोच कुलदीप उससे मिले तो उनकी बात सुनकर पायल बहुत घबरा गई कि वह बिना हाथ-पैरों के तीरंदाजी कैसे करेगी?

बस यही वह क्षण था जब कोच कुलदीप ने उसकी मुलाकात को सकारात्मक रुख दिया। उन्होंने उन्हें बिना हाथों के तीरंदाजी करने वाली अनेक हस्तियों के बारे में बताया और कहा कि जब वे सब कर सकते हैं, तो तुम भी कर सकती हो। वैसे भी अभी भी तो तुम बिना हाथ-पैरों के चित्र बना रही हो। इस बात ने पायल को संबल प्रदान किया।

जब पायल पहली बार अकादमी गई तो वहां पर सबके हाथ-पैर थे। बच्चे हाथों से धनुष पकड़ते थे। यह देखकर पायल फिर घबरा गई तो कोच ने कहा, चिंता मत करो, तुम इन सबसे अच्छा कर सकती हो। पायल के लिए खास धनुष भी बनाया गया। उससे वह नेशनल चैंपियन बनी।

जीतने के बाद पायल के अंदर आत्मविश्वास कूट-कूट कर भर गया है। अब वे इसी में अपना करियर बनाकर देश का नाम रोशन करना चाहती हैं। पायल ने अपने धैर्य और आत्मविश्वास से यह साबित कर दिया है कि इच्छा हो तो हर कठिन मार्ग को पार किया जा सकता है।

इची-गो-इची-ए अत्यंत सकारात्मक और सार्थक शब्द है। इस शब्द को प्रत्येक व्यक्ति को न केवल जानना और समझना चाहिए, अपितु अपने जीवन में भी उतारना चाहिए। शब्दों की गहराई में उतरकर ही उसके अर्थ को अपने अंदर महसूस किया जा सकता है। हो सकता है कि एक अवधि में मिलने वाला कोई व्यक्ति आपको जीवन की नई राहें दिखा दे, आपकी समस्याओं को दूर भगा दे। इसके साथ ही आपके अंदर यह भावना भी अवश्य जन्म लेनी चाहिए कि आप भी किसी के जीवन में इची-गो-इची-ए के माध्यम से उनके मार्ग को सुनहरा बना दें। उनके कांटों को दूर करने में साधक बनें। बाधक जहां नकारात्मक शब्द है, वहीं साधक सकारात्मक और ऊर्जा से भरपूर। ऊर्जा, जोश और आत्मविश्वास व्यक्ति के अंदर हर चुनौती से लड़ने की सामर्थ्य उत्पन्न कर देते हैं। इची-गो-इचि-ए की अवधारणा अपने अंतर्मन में उतारें, आपका तन-मन चमत्कृत तरह से जाग्रत हो उठेगा।

पड़ोस में नये गठजोड़ के अशुभ संकेत

और इसलिए वर्तमान पर लौट आते हैं। कुछ हफ्ते पहले बीजिंग में यूनुस की एक बैठक याद करें जब उन्होंने चीनी व्यापारियों से कहा था कि वे आएं और निवेश करें, और कहा कि वे बंगाल की खाड़ी उन्हें सौंपने के लिए तैयार हैं। इस दौरान, कुछ चीजें, चाहे वे कितनी भी बदल जाएं, एक जैसी ही रहती हैं, और इसका एक उदाहरण चीन-पाकिस्तान संबंध हैं- जिसे...

ज्योति मल्होत्रा

भारत की सीमाओं के दोनों तरफ एक बड़ा मंथन चल रहा है, जो आरएसएस के 'अखंड भारत या अविभाजित उपमहाद्वीप' की अवधारणा को एक नई चुनौती पेश करता दिखाई देता है। पूर्व में बंगाल की खाड़ी के इर्द-गिर्द एक नया समुद्र-मंथन हो रहा है, क्योंकि चीन और पाकिस्तान, दोनों के साथ, जिस तरह नया बांग्लादेश पींगें डाल रहा है, उतना तो दशकों में नहीं हुआ। और इधर पश्चिम में पाकिस्तान में शक्तिशाली सेना प्रमुख कुछ इस तरह दिखाई दे रहे हैं मानो खुद को आधुनिक जिन्ना समझने लगे हैं, जब वे कथित 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत'और इस तरह के अन्य विषयों पर प्रवचन कर रहे थे। शुरुआत बांग्लादेश से करते हैं। बीते 15 वर्षों में यह पहली बार है, जब पाकिस्तानी अधिकारी सलाह-मशविरे के लिए बीते सप्ताह ढाका पहुंचे। इस दौरान, बांग्लादेश के विदेश सचिव ने 1971 में तत्कालीन पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए नरसंहार के लिए माफी की मांग की। साथ ही यह भी कहा कि पश्चिमी पाकिस्तान से पूर्वी हिस्सा अलग होने के बाददृ निस्संदेह भारत की कुछ मदद सेदृ4.3 बिलियन डॉलर का हिस्सा लेना बकाया है, हालांकि बांग्लादेशी विदेश सचिव ने भारतीय मदद का जिक्र नहीं किया। इतना ही नहीं, अगले 10 दिनों के भीतर, पाकिस्तान के उप प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ढाका की यात्रा करेंगे। डार एक मंजे हुए राजनेता हैं,लिहाजा उम्मीद है कि वे 1971 में पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए नरसंहार के लिए माफी मांगने का तरीका आसानी से निकाल लेंगे दृ हालांकि वह करते वक्त सावधान रहेंगे कि कहीं इस माफी से उनके सर्वशक्तिमान सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर कुपित न हो जाएं। जब भी यह माफी मांगी जाती हैदृ सवाल यदि का नहीं, बल्कि कब का है दृ तो पाकिस्तान के इन दो भूतपूर्व हिस्सों के बीच जो निकटता बन जाएगी,उतनी तो कई दशकों से नहीं हुई थी। कल्पना कीजिए कि इससे 53 साल का इतिहास उलटने जा रहा है। लेकिन यहां कोई गलती न करें, मंच सज चुका है,कमरे की सजावट में बस सिर्फ फूल और कुछ छोटी-छोटी चीजें ही बची हैं। जब डार बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार

मुहम्मद यूनुस से मिलेंगे दृ जिन्हें अमेरिकियों ने इस अवसर की प्रतीक्षा में सावधानी से सहेज कर तैयार रखा था कि शेख हसीना के बाद वाले बांग्लादेश में स्थापित करना है और इससे भी अधिक मूर्खता हसीना की रही, जिन्होंने यह मौका दिया दृ लगता है बांग्लादेशी, चीनियों के हल्के से बनावटी अनुग्रह पर, पाकिस्तानी माफी को विनम्रतापूर्वक स्वीकार कर लेंगे। यह बस इतनी आसान सी बात है। इस सब के बीच, मुहम्मद अली जिन्ना के प्रिय जुमले को नया जीवन मिल रहा है। बीते कुम्भनिपार रावलपिंडी मे एक समारोह में जब जनरल मुनीर कह रहे थे कि पाकिस्तान का निर्माण द्वि-राष्ट्र सिद्धांत के आधार पर हुआ था, तो अग्रिम पंक्ति में सूट-बूट पहने उनके प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ यह सुन रहे थे। उन्होंने कहा : 'हमारे पूर्वजों का विचार था कि हम जीवन के प्रत्येक संभावित पहलू में हिंदुओं से अलहदा हैं। हमारे धर्म अलग हैं, हमारे रीति-रिवाज जुदा हैं, हमारी परंपराएं पृथक हैं, हमारे विचारों में भिन्नता है, हमारी महत्वाकांक्षाएं अलग हैं। यही द्वि-राष्ट्र सिद्धांत की नींव बनी। मुद्दा यह कि हम दो मुल्क हैं, हम एक राष्ट्र नहीं हैं।' स्पष्ट रूप से, काबिल जनरल खुद को एक आधुनिक कायदे-आजम के रूप में देख रहे हैं, जिसकी पाकिस्तान को जरूरत है, ताकि ज्यादा दिनों तक खुद को एक जरूरत बनाकर टिकाए रख सकें। ऐसा नहीं है कि पाकिस्तान को बचाने की आवश्यकता नहीं है दृ हालत बहुत खराब है, न केवल अर्थव्यवस्था बल्कि राजनीति के भी, यह स्थिति उम्मीद के क्षितिज पर सैन्य प्रतिष्ठान को आसानी से सबसे चमकीला, चमकता सितारा बनाती है दृयह अहसास निश्चित रूप से अन्य सब पर भारी है। इस बीच, हमने देखा कि दो उंगलियां अपने गाल पर रखे प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ जनरल मुनीर की बातें खामोशी से सुन रहे थे। उस वक्त क्या वे अपने जहन में घुमड़ रही यादें यानि बड़े भाई नवाज शरीफ द्वारा भारत के साथ संबंध बेहतर बनाने के प्रयासों के नतीजे को अलग रख पाए होंगे, जिसके कारण मुशर्रफ द्वारा कारगिल पर आक्रमण करने के तुरंत बाद उन्हें अटक जेल में कठोर सजा भुगतनी पड़ी थीं दृ क्योंकि शहबाज जानते हैं कि मुनीर की कृपा के बगैर वे सत्ता में नहीं रह सकते? लेकिन बीते सप्ताहांत का बड़ा सवाल यह है कि क्या आप मानसिक विडंबना के बावजूद दिल खोलकर हंस सकते हैं। आप दुश्मन बनना चाहेंगे या दोस्त? यही बांग्लादेश, जो अब पाकिस्तान की तरफ हाथ बढ़ा रहा है, 53 साल पहले उसने पश्चिमी पाकिस्तानी सैनिकों की मशीनगनों की फायरिंग के सामने 'जॉय बांग्ला'! का उद्घोष करते हुए द्वि-राष्ट्र सिद्धांत को इतिहास के कूड़ेदान के हवाले किया था। आज, जब यूनुस अतीत में लौटने को बेकरार हुए पड़े हैं और जनरल मुनीर अलगाव का विचार याद दिला रहे हैं दृ विडंबना यह कि वर्तमान में भारत में भी कुछ ऐसा ही विचार बहुत लोकप्रिय है दृभाषा की बजाय बांग्लादेशी धर्म और भू-राजनीति के महत्व को पुनर्स्थापित करते दिखाई दे रहे हैं। सिर्फ दो दिन पहले यूनुस के विदेश मामलों के सलाहकार ने भारत को रूखे तरीके से अपनी घरेलू स्थिति को बेहतर ढंग से संभालने और पड़ोस के पश्चिम बंगाल में अपनी अल्पसंख्यक आबादी का ख्याल सही ढंग से करने की नसीहत दी है दृ मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा के संदर्भ में। इस पर भारत को गुस्सा चढ़ना समझा जा सकता है। लेकिन विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इतना भर कहा कि पहले बांग्लादेशियों को अपने अंदर झांकना चाहिए और अपने हिंदू अल्पसंख्यकों की रक्षा करनी चाहिए। विभाजन के पैरोकार हों या अखंड भारत के, दोनों के साथ यही मूल समस्या है कि उप-महाद्वीप इतना वैविध्यपूर्ण है कि चाहे कहीं भी रेखा खींचनी हो दृ किसी के द्वारा भी, फिर चाहे वह रैडक्लिफ हो या मैकमोहन या डूरंड दृ लकीर सीधी न होकर बलखाती होगी। कोई एक या दूजा या दोनों ही पक्ष नाराज अथवा गुस्सा हुए बिना नहीं रह पाएंगे।

चीन के लोगों ने मोदी को ये क्या बोल दिया, जानकर दुनिया भी रह गई हैरान!

एक तरफ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस की नेशनल डे परेड की परेड में बुला रहे हैं तो दूसरी तरफ चीन ने भी कहा है कि वो इस साल हो इस साल बीजिंग में होने वाले शंघाई कॉरपोरेशन शिखर सम्मेलन में बेसब्री से पीएम मोदी का इंतजार कर रहा है। वैसे चीन की जनता भी पीएम मोदी को देखने के लिए बेताब होगी क्योंकि चीन के लोग पीएम मोदी को एक खास नाम से बुलाते हैं। ये बात तो अब किसी से छुपी नहीं रह गई कि पीएम मोदी दुनिया के लोकप्रिय नेताओं की लिस्ट में हमेशा टॉप पर रहते हैं। पीएम मोदी जहां भी जाते हैं लोग उनके दिवाने हो जाते हैं। करीब 21 देश पीएम मोदी को अपने देश का सर्वोच्च सम्मान दे चुके हैं। जिनमें कई मुस्लिम देश भी शामिल हैं। पाकिस्तान की जनता भी आजकल बोल रही है कि हमें पीएम मोदी जैसा प्रधानमंत्री चाहिए। लेकिन क्या आपको पता है कि चीन की जनता पीएम मोदी के बारे में क्या बोलती है?

चीन के लोग पीएम मोदी की पॉलिसी उनके कपड़े और उनके चाल-ढाल सभी के फैन हैं। चीन के लोग पीएम मोदी को सबसे अलग मानते हैं इसलिए चीनी लोगों ने पीएम मोदी को एक खास निक नेम दिया हुआ है। एक चीनी पत्रकार ने अपने सोशल मीडिया पर बताया कि चीनी सोशल मीडिया पर भारत और पीएम मोदी को लेकर क्या बातें होती हैं। चीनी सोशल मीडिया पर मेरा एक लोकप्रिय अकाउंट है, जहां उपयोगकर्ता अक्सर विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर टिप्पणी करते हैं। यह मेरे लिए विदेशी मामलों पर चीनी जनता की राय को समझने का एक बड़ा माध्यम बन गया है। चीनी पत्रकार ने बताया कि चीन के लोग सोशल मीडिया पर पीएम मोदी को प्यार से लाओशियान कहते हैं। पत्रकार बताते हैं कि के मुताबिक लाओशियान का अर्थ अनोखी ताकत वाला बुजुर्ग व्यक्ति है। यदि आप इस उपनाम का अर्थ जानते हैं, तो आप अंदाजा लगा सकते हैं कि यहां के लोग नरेंद्र मोदी के बारे में क्या सोचते हैं।

चीनी पत्रकार मु चुनशान ने द डिप्लोमैट में चीन के सोशल मीडिया से जुड़े होने की बात लिखी थी। चीनी लोग इस मंच पर अपने विचार व्यक्त करते हैं। उन्होंने लिखा है कि चीनी लोग मानते हैं कि भारत और चीन के बीच संबंध बेहतर होंगे, लेकिन वे नहीं चाहते कि भारत अमेरिका के करीब आए। लेख में कहा गया है कि चीनियों का मानना है कि अगर भारत दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाता है, तो अमेरिका और पश्चिम इसे दबाने की कोशिश करेंगे, जैसा कि वे अब चीन के साथ कर रहे हैं। द डिप्लोमैट के एक लेख के अनुसार चीनी लोगों का मानना है कि चीन, भारत और रूस के बीच सहयोग मजबूत होने से पश्चिम का दबाव बढ़ सकता है। भारत भी पश्चिम पर पूरा भरोसा नहीं करता।

बीसीसीआई के सालना कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान, ए प्लस केटेगरी में रोहित–कोहली–बुमराह–जडेजा, ईशान–श्रेयस की भी वापसी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार 21 अप्रैल को भारतीय पुरुष टीम के लिए वार्षिक केंद्रीय अनुबंध की पुष्टि की, जिसमें अक्टूबर 2024–सितंबर 2025 की अवधि के लिए 34 खिलाड़ियों को शामिल किया गया। शीर्ष ग्रेड में रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा को अनुबंध में पिछली बार 30 अनुबंधित खिलाड़ियों की तुलना में सूची में चार खिलाड़ियों की बढ़ोतरी की गई। आर अश्विन उल्लेखनीय रूप से बाहर रहे, जिन्होंने पिछले साल बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। ऋषभ पंत (जो पिछले साल तक ग्रेड बी में थे) को पदोन्नत कर ग्रेड ए में अश्विन की जगह ले ली गई है, जबकि श्रेयस अय्यर ग्रेड बी में रिटेनरशिप सूची में वापस आ गए हैं। अय्यर, ईशान किशन के साथ केंद्रीय अनुबंध सूची में अपना स्थान खो चुके थे, लेकिन घरेलू क्रिकेट में लगातार प्रदर्शन के बाद दोनों वापस आ गए। अय्यर ने विशेष रूप से आईपीएल और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में कप्तान के रूप में जीत के साथ एक शानदार वर्ष बिताया, एकदिवसीय टीम के स्थायी सदस्य बन गए और हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी खिताब में भारत के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी होने के बाद मार्च के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का खिताब जीता।

खिलाड़ियों और ग्रेड श्रेणियों की सूची

ग्रेड ए+ : रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जडेजा।

ग्रेड ए. मोहम्मद सिराज, केएल राहुल, शुभमन गिल, हार्दिक पंड्या, मोहम्मद शमी, ऋषभ पंत ग्रेड बी. श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, कुलदीप यादव, यशस्वी जायसवाल, अक्षर पटेल

ग्रेड सी. रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, ईशान किशन, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, मुकेश कुमार, ध्रुव जुरेल, सरफराज खान, रजत पाटीदार, नितीश कुमार रेड्डी, अभिषेक शर्मा, आकाश दीप, वरुण चक्रवर्ती, हर्षित राणा, रवि बिश्नोई, शिवम दुबे, ऋतुराज गायकवाड़, वाशिंगटन सुंदर

सीएसके के लिए डेब्यू करने वाले आयुष म्हात्रे का वीडियो वायरल, ठीक से नहीं बोल पा रहे थे, मगर थाम रखा था बल्ला

चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज आयुष म्हात्रे इस समय चर्चा में आए हुए हैं। रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेले गए मैच में नए बल्लेबाज आयुष ने गदर मचा दिया है। इस मैच में मुंबई इंडियन्स जैसी शानदार टीम के खिलाफ उन्होंने 32 रनों की दमदार पारी खेली और अपना आईपीएल का ऐतिहासिक डेब्यू किया।

आईपीएल में इस शानदार डेब्यू के बाद इंटरनेट पर आयुष का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है। ये वीडियो उस समय का है जब आयुष की उम्र मात्र छह वर्ष की थी। इस वीडियो में आयुष ठीक से बोल भी नहीं पा रहे हैं, मगर हाथ में बल्ला लेकर पिच पर धमाकेदार खेल दिखा रहे हैं। आयुष का ये थ्रोबैक वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है।

बता दें कि आयुष म्हात्रे चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलने वाले वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं। आयुष का जन्म मुंबई में हुआ था। इस बार आईपीएल में उन्हें चेन्नई सुपर किंग्स ने 30 लाख रुपये में खरीदा था। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ कोहनी में लगी चोट के कारण टीम में नहीं हैं। उनकी जगह पर बल्लेबाज आयुष म्हात्रे को टीम में शामिल किया गया था।

ऐसा रहा मैच का परिणाम

रविवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को नौ विकेट से मात दी है। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मैच में चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 176 रन बनाए। मुंबई इंडियंस ने नौ विकेट शेष रहते हुए 16वें ओवर में ही इस टारगेट को हासिल कर लिया और मैच में जीत दर्ज की। मुंबई इंडियंस ने इसके साथ ही जीत की हैट्रिक लगा दी है। प्लेऑफ में बने रहने की उम्मीदें मुंबई इंडियंस की अब भी बनी हुई हैं। इस मैच में रोहित शर्मा और सूर्य कुमार यादव की बल्लेबाजी की बदौलत टीम को जीत मिली। दोनों ही सीनियर खिलाड़ियों ने अर्धशतकीय पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई।

बता दें कि 177 रन का लक्ष्य मिलने के बाद मुंबई इंडियंस ने अच्छी शुरुआत की। रोहित शर्मा और रायन रिकल्टन ने शानदार 63 रनों की पार्टनरशिप की। रायन रिकल्टन 24 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद सूर्या और रोहित ने पारी संभाली और चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजों के आगे झुकने से ही इंकार कर दिया। दोनों मजबूती से क्रिज पर टिके रहे और दोनों के बीच 114 रनों की मजबूत पार्टनरशिप हुई। दोनों ने पिच पर जमकर नौ विकेट से टीम को जीत दिलाई।

भारत को आईएमएफ और विश्व बैंक श्वैश्विक व्यापार के इंजनच के रूप में देखते हैं : वित्त मंत्री सीतारमण

सैन फ्रांसिस्को। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और मौजूदा सरकार द्वारा प्रदान की गई स्थिरता के कारण भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन गया है। अमेरिका में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा, जब हम कहते हैं कि भारत एक तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है तो इस तथ्य को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक (वर्ल्ड बैंक) भी स्वीकार करते हैं। वे मानते हैं कि अपनी विकास क्षमता के कारण भारत विश्व व्यापार को बढ़ाने वाले एक इंजन के रूप में काम कर सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आगे कहा कि इस क्षमता के विकास के साथ हम वैश्विक स्तर पर विभिन्न अनिश्चितताओं के कारण देखे जा रहे ट्रेंड को बदल सकते हैं। मौजूदा ट्रेंड में ग्रोथ और ट्रेड दोनों ही कम हैं, लेकिन कुछ स्थानों पर मुद्रास्फीति अधिक है, जिसकी वजह से लोग सोच रहे हैं कि भविष्य में मंदी आने वाली है। उन्होंने आगे कहा, अगर इन मौजूदा परिस्थितियों में भी भारत की क्षमता को पहचाना जा रहा है और इसकी आर्थिक ताकत को स्वीकारा जा रहा है तो इस क्षेत्र में उच्च उपलब्धि प्राप्त करने वाले लोग भारत के साथ व्यक्तिगत या व्यावसायिक रूप से, कॉरपोरेशन टू कॉरपोरेशन की साझेदारी से लाभ पा सकते हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत की साझेदारी से दोनों ही देशों को लाभ मिलता है।

अमेरिका में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, साथ मिलकर, हम वैश्विक व्यापार और विकास को आगे बढ़ाएंगे। मुझे लगता है कि यह एक बहुत बड़ा योगदान है जो यहां रहने वाले भारतीय प्रवासी दे सकते हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय प्रवासियों से अपील की कि वे अधिक रुचि लें और अपने चुने हुए क्षेत्रों में भारत के साथ साझेदारी करें। भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के कदमों पर वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, कोविड–19 महामारी के दौरान, हमारा राजकोषीय घाटा बढ़ गया था। लेकिन 2021 में, हम एक स्पष्ट संकेत के साथ आए कि हम अपने राजकोषीय घाटे का प्रबंधन किस तरह करना चाहते हैं। हमने साल–दर–साल लक्ष्य निर्धारित किए और 2026 तक राजकोषीय घाटे को 4.5 प्रतिशत से नीचे लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम हर साल बिना किसी चूक के इसका पालन कर रहे हैं।

शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार में भारी बढ़तय सेंसेक्स 79,000 स्तर तो निफ्टी 24,000 के पार

एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक के मुनाफे की घोषणा के बाद शेयर बाजार में हुई खरीदारी और विदेशी कोषों के लगातार प्रवाह के कारण सोमवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में उछाल देखने को मिला।

बीएसई का 30 शेयरों वाला प्रमुख सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 599.66 अंक उछलकर 79,152.86 पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 152.55 अंक चढ़कर 24,004.20 पर पहुंच गया।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और इंडसइंड बैंक लाभ वाली प्रमुख कंपनियां रहीं। अदाणी पोर्ट्स, आईटीसी, भारती एयरटेल, टाइटन, हिंदुस्तान यूनिलीवर और सन फार्मा के शेयर प्रमुख रूप से घाटे में रहे।

एचडीएफसी बैंक के शेयर में एक प्रतिशत से अधिक की तेजी आई, क्योंकि कंपनी ने सूचित किया था कि जनवरी–मार्च तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ सात प्रतिशत की वृद्धि के साथ 18,835 करोड़ रुपये रहा था।

हालांकि, बैंक ने आवास और कॉरपोरेट ऋण खंड में मूल्य निर्धारण के मुद्दों को उठाया, जो इसकी ऋण वृद्धि को प्रभावित कर रहे हैं। आईसीआईसीआई बैंक के शेयर में भी लगभग एक प्रतिशत की तेजी आई, क्योंकि कंपनी ने तिमाही परिणाम की घोषणा करते हुए शेयर बाजार को बताया था कि मार्च तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 15.7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 13,502 करोड़ रुपये रहा है। एशियाई बाजारों में चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट फायदे में रहा जबकि जापान का निक्की 225, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में रहे। अमेरिकी बाजार बृहस्पतिवार को नकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे।

शुक्रवार को गुड फ्राइडे के कारण शेयर बाजार बंद रहे थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 1.52 प्रतिशत गिरकर 66.93 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 4,667.94 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। बीएसई का सेंसेक्स बृहस्पतिवार को 1,508.91 अंक बढ़कर 78,553.20 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 414.45 अंक बढ़कर 23,851.65 अंक पर बंद हुआ।

भारत ने टैरिफ पर अमेरिका को कोर्ट में घसीटा, ट्रंप को देना पड़ा जवाब

ट्रंप के टैरिफ के बाद व्यापार को लेकर पूरी दुनिया में बवाल मचा हुआ है। अमेरिका ने व्यापारिक स्तर पर हर एक देश को अपने अपने तरीके से झटका दिया। भारत भी इसमें शामिल था। भारत के स्टील और एल्युमिनियम के आयात पर लगाया गया अमेरिका का टैरिफ भारत के लिए बड़ा बोझ था और नतीजन भारत को अपनी शिकायत लेकर वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के पास जाना पड़ा। अब वहीं वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन अमेरिका को बुलाकर इस पर जवाब मांगा है। अमेरिका ने इस पूरे मामले को लेकर सफाई दी है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने विश्व व्यापार संगठन यानी वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन को बताया है कि स्टील और एल्युमिनियम के आयात पर टैरिफ लगाने का उसका फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर लिया गया था न कि सुरक्षा उपाय के तौर पर। अमेरिका ने इन दोनों ही बातों में फर्क बताया और कहा कि इन दोनों ही बातों में बड़ा फर्क है। बता दें कि भारत ने इसी महीने की शुरुआत में वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन में एक शिकायत दर्ज कराई थी। इसी शिकायत को औपचारिक चुनौती देते हुए अमेरिका ने इस पर सफाई दी।

बयान में अमेरिका ने कहा कि टैरिफ अमेरिकी व्यापार कानून की धारा 232 के तहत लगाए गए थे जो राष्ट्रपति को राष्ट्रीय सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने वाले आयातों को प्रतिबंधित करने का अधिकार देता है। बयान में कहा गया कि अमेरिका ने नोट किया है कि सुरक्षा उपायों पर समझौते के अनुच्छेद 12.3 के तहत परामर्श के लिए भारत के अनुरोध का आधार ये है कि टैरिफ सुरक्षा उपाय है। यानी सुरक्षा उपाय के तहत अमेरिका ने भारत के खिलाफ टैरिफ लगाने का फैसला किया। दरअसल, भारत द्वारा निर्यात किए जा रहे स्टील और एल्युमिनियम पर अमेरिका ने टैरिफ लगाने कि घोषणा की थी। भारत इसके विरोध में वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के पास गया। जिसे अमेरिका की तरफ से वैध बताया गया है। भारत ने 11 अप्रैल को वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन में ये शिकायत दर्ज कराई थी।

भारत ने तर्क दिया था कि टैरिफ चाहे अमेरिका उन्हें कैसे भी लेबल करे मूल रूप से ये सुरक्षा उपाय हैं जो औपचारिक अधिसूचना और परामर्श समेत डब्ल्यूटीओ नियमों के तहत स्पष्ट दायित्वों के साथ आते हैं। भारत ने कहा कि अमेरिका द्वारा इन उपायों को सुरक्षा उपायों के रूप में वर्णित करने के बावजूद ये मूल रूप से सुरक्षा उपाय हैं। भारत ने अमेरिका पर सुरक्षा उपायों पर समझौते के तहत आवश्यक डब्ल्यूटीओ सुरक्षा समिति को सूचित करने में विफल रहने का आरोप लगाया है।

कैसे वायरल हुई भगवान बुद्ध के दुर्लभ दांत की तस्वीर, जांच में जुटी श्रीलंका की पुलिस

श्रीलंकाई पुलिस ने सोशल मीडिया पर भगवान बुद्ध के पवित्र दांत के अवशेष को कथित तौर पर दिखाने वाली एक तस्वीर सामने आने के बाद जांच शुरू कर दी है। कथित तौर पर यह तस्वीर कैंडी के दांत के मंदिर से आई है, जहां पिछले शुक्रवार को इस पवित्र अवशेष की दुर्लभ सार्वजनिक प्रदर्शनी शुरू हुई थी, जो 16 वर्षों में इस तरह का पहला आयोजन था। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि जिस आंतरिक गर्भगृह में अवशेष रखे गए हैं, वहां मोबाइल फोन और कैमरे सख्त वर्जित हैं, जिससे इस बात पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं कि तस्वीर कैसे खींची गई और कैसे प्रसारित की गई। कार्यवाहक पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) प्रियंथा वीरसूर्या ने पुष्टि की कि तस्वीर के समय और परिस्थितियों का पता लगाने के लिए प्रारंभिक जांच चल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर गहन जांच की आवश्यकता हुई तो आपराधिक जांच विभाग को भी इसमें शामिल किया जा सकता है।

मंदिर को सबसे पवित्र बौद्ध स्थलों में से एक माना जाता है, यहां अवशेष की फोटोग्राफी या वीडियोग्राफी के खिलाफ सख्त नियम लागू हैं, और वायरल छवि ने धार्मिक पवित्रता के प्रति सम्मान के साथ–साथ जवाबदेही की मांग को भी जन्म दिया है। हजारों की संख्या में बौद्ध भक्त अवशेष की पूजा करने के लिए आ रहे हैं, और कई मील दूर से कतारें लगी हुई हैं। 65 वर्षीय दो बच्चों की मां गीतानी मेंडिस ने मंदिर के प्रवेश द्वार के पास कहा कि हम इस दुर्लभ अवसर का उपयोग करके दांत के अवशेष की पूजा करने आए हैं। भले ही हमें कतार में कितना भी समय क्यों न बिताना पड़े।

राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के अनुरोध पर 16 वर्षों के बाद यह प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है। 21 मिलियन लोगों वाले द्वीप राष्ट्र में 74 सिंहली बौद्ध बहुसंख्यकों के लिए दांत का अवशेष विशेष आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व रखता है। ऐतिहासिक अभिलेखों के अनुसार, 1590 में कैंडी में लाया गया दांत का अवशेष बौद्ध पवित्रता का प्रतीक बन गया, जो श्रीलंका की सबसे कीमती संपत्ति और संप्रभुता की मुहर बन गया। ऐसा कहा जाता है कि किसी को भी वास्तविक दांत अवशेष को देखने की अनुमति नहीं थी। दांत के मंदिर में सोने की परत चढ़ी रेलिंग और चांदी की मेज के पीछे जो देखा जा सकता है वह एक सोने की परत चढ़ा हुआ अवशेष है।

बरहज में एक सप्ताह तक प्रभावित रहेगी बिजली आपूर्ति

बरहज। नगर–क्षेत्र में भारत माला श्रृंखला की ओर से अयोध्या से जनकपुर तक रामजानकी मार्ग चौड़ीकरण कार्य कराया जा रहा है। इसको लेकर बिजली के खंभों और तारों को शिफ्ट कराने के साथ–साथ पेड़ों का कटान कराया जा रहा है। इससे एक सप्ताह तक दिन में बिजली आपूर्ति ठप रहेगी। एसडीओ रोहित पांडेय ने बताया कि सड़क चौड़ीकरण के कारण बरहज नगर, ग्रामीण और जवार फीडर की आपूर्ति एक सप्ताह तक दिन में बाधित रहेगी।

अगवा बच्चे की बरामदगी के लिए दर–दर भटक रही है मां

देवरिया। नौ माह पूर्व प्रयागराज रेलवे स्टेशन से अगवा तीन साल के बेटे की बरामदगी के लिए पीड़ित मां दर–दर भटक रही है। अब तक कोई सुराग न मिलने पर महिला ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर बेटे की बरामदगी करने तथा आरोपितों को दंड दिलाने की मांग की है। महिला का बेटे की तलाश में रो–रोकर हालत खराब हो गई है। जबकि पीड़िता ने अपहरणकर्ताओं द्वारा मोबाइल से किए जा रहे फोन का नंबर भी पुलिस को मुहैया कराई गई है। सलेमपुर कोतवाली क्षेत्र की सिंगनी बाग अहिरौली लाला गांव की रहने वाली मुन्नी देवी पत्नी सचिंदर चौहान का आरोप है कि उसके एक जान पहचान का व्यक्ति नौकरी लगाने के नाम पर 5 जुलाई 2024 को कानपुर बुलाया। वह अपने तीन साल के बेटे को लेकर कानपुर पहुंची तो नौकरी लगाने वाला व्यक्ति जालसाज निकल गया और टाल मटोल करने लगा। महिला उसके इरादे को समझ वहां से भाग निकली। जालसाज ने महिला के पीछे एक व्यक्ति को लगा दिया। वह उसके साथ प्रयागराज तक आया और महिला से मिलजुलकर रहने लगा। स्टेशन पर जब महिला को प्यास लगी तो वह अपने बच्चे तथा को उस जालसाज को सौंप कर पानी लेने चली गई। वापस लौटी तो वहां न तो उसका बच्चा था और न ही बैग। महिला ने प्रयागराज जीआरपी में बेटे के अपहरण की मुकदमा दर्ज कराई। नौ माह बीत जाने के बाद बच्चा न मिलने पर उसने मुख्यमंत्री से शिकायत दर्ज कराई है।

आरोग्य मेले में बुखार, सर्दी–खांसी के अधिक रहे मरीज

देवरिया। मुख्यमंत्री जनआरोग्य मेले का आयोजन जिले में अरबन सहित 80 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर किया गया। इसमें बुखार, सर्दी, खांसी, उल्टी–दस्त, चक्कर आने, कमजोरी, बीपी, शुगर के मरीजों की संख्या अधिक रही। कुछ केंद्रों पर गर्भवती भी पहुंची थी, जिनका इलाज व जांच की गई। स्वास्थ्य केंद्रों डॉक्टरों ने 3856 मरीजों का इलाज किया। पिछली बार 2810 मरीजों का इलाज किया, जो इस बार 1046 अधिक रहा। जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला में मरीज की संख्या बढ़ रही है। शहर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामनाथ देवरिया पर डॉ. विनीत युवराज ने करीब पचास मरीजों का इलाज किया। यहां उल्टी–दस्त, बुखार, एलर्जी, खुजली तथा बीपी, शुगर के अलावा अन्य बीमारी से पीड़ित मरीज पहुंचे थे। करीब 10 मरीजों की सीबीसी व आठ से दस मरीजों के शुगर की जांच की गई। उधर पीएचसी चकिया पर डॉ. सुधाकर सिंह ने 72 मरीजों का इलाज किया। यहां गले में खरास, बुखार, चक्कर, कमजोरी, उल्टी–दस्त, बीपी, शुगर के अलावा अन्य बीमारी से पीड़ित मरीज पहुंचे थे।

ट्रैक्टर और बाइक की टक्कर में अधेड़ की मौत

देवरिया। रामलखन–देवरिया मार्ग पर डिहली मोड़ के पास ट्रैक्टर और बाइक की आमने–सामने की टक्कर में अधेड़ की मौत हो गई। जबकि युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। उसका मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, चुरीली थाना क्षेत्र के छितरपुरा गांव निवासी विजय राजभर (50) पुत्र स्व. रामराज राजभर गोरखपुर दवा कराने गए थे। वह लौटते समय अपने बेटे के ससुराल गौरीबाजार थाना क्षेत्र के धरमेरा गांव पहुंचे। वहां से अपनी बहू की बहन अर्चना (18) को लेकर बाइक से घर आ रहे थे। वह रामलखन से देवरिया मार्ग पर डिहली मोड़ के पास पहुंचे थे, इसी बीच सामने से आ रही ट्रैक्टर–ट्रॉली ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया, जिससे बाइक सवार दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज देवरिया भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने विजय को मृत घोषित कर दिया, जबकि युवती की हालत नाजुक देख गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। मौत की खबर मिलते ही पत्नी कौशिल्या देवी व परिवार के सदस्य दहाड़ मारकर रोने लगे। विजय की सरैया चौराहे पर किराना की दुकान है। उनका एक पुत्र कृजेश है, जो मुंबई में रहकर कार्य करता है।

आवास सेल्फ सर्वे के नाम पर वसूली, वापस कराए रुपये

लक्ष्मीपुर। क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत जंगल गुलहरिया में आवास योजना के तहत किए जा रहे सेल्फ सर्वे के नाम पर अवैध वसूली का मामला सामने आया है। इसमें गांव के ही एक युवक की शिकायत पर खंड विकास अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर जांच की, जिसमें आरोपों को सही मिला। जानकारी के अनुसार, कोल्हुई थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत जंगल गुलहरिया निवासी राजेश्वर चौहान ने खंड विकास अधिकारी लक्ष्मीपुर मृत्युंजय यादव को एक शिकायती पत्र सौंपा था। पत्र में बताया गया कि दो व्यक्ति गांव में आए और ग्रामीणों से आवास योजना के अंतर्गत सेल्फ सर्वे के नाम पर रुपये वसूलने लगे। ग्रामीणों को बताया गया कि यदि वे पैसा नहीं देंगे तो उनका नाम आवास योजना में शामिल नहीं किया जाएगा। इस डर से कई ग्रामीणों ने उन्हें पैसे दे दिए। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए खंड विकास अधिकारी, पंचायत कर्मचारियों के साथ गांव पहुंचे और मामले की जांच की। बिना किसी आदेश या अधिकार के लोगों से पैसा वसूलने की पुष्टि हुई। ग्रामीणों ने भी अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया कि उनसे 300 से 400 रुपये तक की वसूली की गई थी। बीडीओ ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपियों से वसूली गई रकम पीड़ित ग्रामीणों को वापस कराई। इसके साथ ही दोनों आरोपियों को पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

यूपीसीए अंडर–19: जनपदीय टीम के लिए 17 खिलाड़ी चयनित

देवरिया। यूपीसीए अंडर–19 टीम के चयन के लिए हुए ट्रायल के बाद जनपदीय टीम की घोषणा कर दी गई। जिले के कुल 17 खिलाड़ियों का चयन किया गया है, जबकि आठ खिलाड़ियों को स्टैंड बाई में रखा गया है।

देवरिया क्रिकेट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष एवं प्रभारी सचिव नागेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि जनपद से कुल 60 खिलाड़ियों को इंटर डिस्ट्रिक्ट टीम के लिए चुना गया था।

इन सभी खिलाड़ियों को चार टीमों में विभाजित कर अंतर्जनपदीय मुकाबले आयोजित किए गए। इन मैचों के साथ–साथ देवरिया क्रिकेट लीग में भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए चयन प्रक्रिया को पूरा किया गया।

खिलाड़ियों के बैटिंग, बॉलिंग, फील्डिंग, बॉडी लैंग्वेज और अनुशासन जैसे सभी आवश्यक पहलुओं का मूल्यांकन कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को अंडर–19 की जिला टीम में शामिल किया गया है। यह टीम अगले चरण में गाजीपुर मंडल में डिस्ट्रिक्ट मैच खेलने जाएगी। यहां देवरिया, आजमगढ़, बलिया, मऊ, गाजीपुर जनपद की टीमें भी आपस में भिड़ेंगी। इसमें प्रदर्शन के आधार पर गाजीपुर मंडल की टीम बनेगी, जो जोनल की मैच खेलेगी।

जोनल के बाद अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी का कानपुर में अंतिम ट्रायल होगा। वहां से यूपीसीए अंडर–17 की फाइनल टीम बनेगी। एसोसिएशन के मुख्य संरक्षक एवं यूपीसीए अपेक्स काउंसिल के सदस्य इंदु प्रकाश मिश्रा ने कहा कि चयनित खिलाड़ियों को जिला स्तर पर आयोजित होने वाले मैचों में भाग लेने का अवसर मिलेगा, जो उनके क्रिकेट करियर के लिए एक अहम पड़ाव होगा।

एसोसिएशन के अध्यक्ष मदन उपाध्याय ने कहा कि सभी चयनित खिलाड़ियों को अपने खेल पर पूरी एकाग्रता और मेहनत से ध्यान देना चाहिए। जिनका चयन नहीं हो पाया है, वे भी निराश न हों, मेहनत जारी रखें और अगले अवसर पर और बेहतर प्रदर्शन कर टीम में अपनी जगह बनाएं। वरिष्ठ संयुक्त सचिव कलाम खान ने बताया कि जिला टीम में चयन एक उपलब्धि है, लेकिन अपने प्रदर्शन के बल पर इस स्थान को बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। सभी खिलाड़ी अनुशासन, समर्पण और टीम भावना के साथ खेलें।

गंदगी देख जताई नाराजगी, सफाई व्यवस्था बेहतर करने के दिए निर्देश

देवरिया। जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को चुस्त–दुरुस्त करने को लेकर सीएमओ ने तीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण किया। इसमें एक जगह परिसर में गंदगी मिलने पर नाराजगी जताई। साथ ही प्रभारी अधीक्षक को सफाई व्यवस्था बेहतर करने के निर्देश दिए।

रामलखन स्वास्थ्य केंद्र पर सबसे अधिक प्रसव कराने पर स्टाफ नर्स को प्रोत्साहित किया। आशा कार्यकर्ताओं को क्षेत्र में अच्छी तरह काम करने तथा मरीज को सरकारी अस्पताल पर ही ले जाने के निर्देश दिए। सीएमओ डॉ. अनिल कुमार गुप्ता मुख्यमंत्री जनआरोग्य मेले का जायजा लेने निकले। वह रास कमलेश्वर श्रीवास्तव के साथ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अमारी झांगा पहुंचे, जहां डॉक्टर व कर्मी मौजूद थे।

वहां पंद्रह मरीज देखे गए थे। बताया गया कि अन्य दिनों की ओपीडी 30–35 है। अस्पताल परिसर में घास व झाड़ी देख सीएमओ ने नाराजगी जताई। उन्होंने प्रभारी अधीक्षक को सफाई कराने का निर्देश दिया। उन्होंने आशा कार्यकर्ताओं को बुलवाया और क्षेत्र में जाकर मरीजों को अस्पताल भेजने का निर्देश दिया। इसके बाद पीएचसी बढ़या पहुंचे जहां सभी लोग मौजूद थे। यहां 26 मरीज देखे गए थे।

यहां की ओपीडी 40–50 की है। इसके बाद सीएमओ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामलखन पहुंचे। यहां डॉक्टर व सभी कर्मी उपस्थित थे। यहां 40 मरीज देखे गए थे। अन्य दिन ओपीडी 50 से अधिक की है। सीएमओ ने मरीजों से अस्पताल पर मिलने वाली सुविधाओं के बारे में पूछा। मरीजों ने डॉ. अंजलि सिंह के कार्य की सराहना की। यहां तैनात स्टाफ नर्स रेनू गुप्ता ने माह में सबसे अधिक नौ प्रसव कराया है। इस पर सीएमओ ने उन्हें प्रोत्साहित किया।

ईएमआई व उपहार के सहारे बढ़ रहा इलेक्ट्रॉनिक कारोबार

महराजगंज। गर्मी बढ़ते ही एसी, कूलर व फ्रिज की बिक्री बढ़ गई है। साथ ही दुकानदार किश्त पर सामान खरीदने की सुविधा और उपहार देकर बिक्री का दायरा और बढ़ा रहे हैं। पहले महंगा उपकरण खरीदना मुश्किल था, लेकिन बैंकों की तरफ से दिए जा रहे लोन की सुविधा व सहजता ने बिक्री को विस्तार दिया है।

इलेक्ट्रॉनिक कारोबारी सुधीर कुमार ने बताया कि इन दिनों गर्म मौसम के साथ लग्न मुहूर्त चल रहे हैं। शादी विवाह में बेटियों के लिए लोग कूलर, फ्रिज, वाशिंग मशीन, एसी खरीदते हैं। इसके अलावा अब वह भी महंगा इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीद रहे हैं जो पहले कम कमाई वालों के लिए मुश्किल था, लेकिन अब कई राष्ट्रीय व स्माल फाइनेंस बैंक दुकान से ईएमआई के माध्यम से छह से 24 किस्तों तक रकम चुकाने की सुविधा दे रहे हैं। इसमें खर्च तो लगभग 1000 से लेकर 500 रुपये जरूर बढ़ते हैं लेकिन कई चरण में रकम जमा करने की सुविधा से बिक्री तेजी से बढ़ रही है। कारोबारी नायक ने बताया कि उनके यहां 10000 से लेकर एक लाख रुपये तक की रेंज में फ्रिज 12 से 60 हजार तक, एसी 32 हजार से एक लाख रुपये, वाशिंग मशीन सात हजार से 50 हजार रुपये की रेंज में है।

उनके यहां इलेक्ट्रॉनिक आइटम खरीदने वालों को ईएमआई सुविधा के साथ आकर्षक उपहार भी दिया जाता है, जिससे बिक्री का ग्राफ पहले के मुकाबले बढ़ा है। इससे लाभ ये मिलता है कि स्टाक शेष नहीं बचता और बिक्री का ग्राफ बढ़ने से दिए गए छूट की भरपाई भी हो जाती है। पहले के मुकाबले इलेक्ट्रॉनिक कारोबार विस्तृत हुआ है।

जिले में व्याप्त भ्रष्टाचार की शिकायत मुख्यमंत्री से करेंगे पूर्व विधायक शैलेश सिंह

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बलरामपुर। गैसड़ी व पचपेड़वा के ग्राम प्रधानों के समर्थन में सोमवार को अखिल भारतीय पंचायत परिषद की बैठक सदर ब्लाक सभागार में बुलाई गई। जिसमें ग्राम प्रधानों का शोषण बर्दाश्त न करने एवं अवैध वसूली पर रोक लगाने के लिए आरपार की लड़ाई लड़ने की बात कही गई। ग्राम प्रधानों गैसड़ी के पूर्व विधायक शैलेश कुमार शैलू से मिलकर वार्ता की उन्होंने जिला प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोला है। मंगलवार को पूर्व विधायक मुख्यमंत्री के दरबार में जिले में व्याप्त भ्रष्टाचार की शिकायत दर्ज कराएंगे। जिले के गैसड़ी व पचपेड़वा के ग्राम प्रधानों ने चार दिन पूर्व अवैध वसूली की बात कहते हुए अधिकारियों पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। जिसके क्रम में जिले से ग्राम प्रधानों को नोटिस जारी की गई

और उनका बयान दर्ज कराने के लिए एडीएम प्रदीप कुमार को अधिकारी नामित किया गया। ग्राम प्रधानों का आरोप है कि अधिकारियों ने उन पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। जांच के नाम पर ग्राम प्रधानों से अधिकारी लगातार अवैध वसूली कर रहे हैं, जिससे प्रधान अपने आपको ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। तीन दिन पूर्व जिला स्तर पर सदर ब्लाक सभागार में बैठक कर अखिल भारतीय पंचायत परिषद के ग्राम प्रधानों ने गैसड़ी व पचपेड़वा के प्रधानों का समर्थन किया। प्रधानों ने कहा कि जिले में व्याप्त भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जांच के नाम पर की जा रही अवैध वसूली यदि नहीं रुकी तो ग्राम प्रधान विकास कार्य ठप कर देंगे। सोमवार को अखिल भारतीय पंचायत परिषद के नेतृत्व में जिले के सभी ब्लाकों के ग्राम प्रधानों की बैठक बुलाई गई। बैठक में ग्राम प्रधानों ने एक स्वर में यह मुद्दा उठाया कि अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। जांच के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है। विकास कार्यों में ग्राम पंचायत सचिव से लेकर उच्चाधिकारियों का कमीशन बनाकर लिया जा रहा है। बावजूद इसके जांच करके ग्राम प्रधानों का उत्पीड़न हो रहा है। बैठक के उपरान्त ग्राम प्रधानों ने गैसड़ी के पूर्व विधायक शैलेश कुमार सिंह शैलू से मिलकर वार्ता की। पूर्व विधायक ने ग्राम प्रधानों को आश्वासन दिया कि भ्रष्टाचार का मुद्दा मंगलवार को मुख्यमंत्री से मिलकर उठाया जाएगा। ग्राम प्रधानों का शोषण किसी भी हाल में नहीं होने दिया जाएगा। वहीं सदर विधायक पल्टूराम ने भी ग्राम प्रधानों को आश्वासन दिया कि मुख्यमंत्री की बैठक से वापस लौटने के बाद जिले के अधिकारियों से वार्ता करेंगे। किसी भी ग्राम प्रधान के साथ अत्याचार नहीं होने दिया जाएगा। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष गुलजारी लाल शुक्ल, जिला महासचिव विजय तिवारी, जिला महामंत्री शशिकांत त्रिपाठी, तुलसीपुर ब्लाक अध्यक्ष जगदंबा प्रसाद मिश्र, गैसड़ी ब्लाक अध्यक्ष शिवा सिंह, श्रीदत्तगंज ब्लाक अध्यक्ष कुलदीप सिंह सहित ब्लाकों के अध्यक्ष व ग्राम प्रधान मौजूद थे।

हत्या के मुकदमे से सम्बन्धित 02 वांछित अभियुक्त को रानीपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। प्रभारी निरीक्षक ब्रह्म गौड़ थाना रानीपुर जनपद बहराइच के द्वारा थाना स्थानीय के गठित पुलिस टीम द्वारा

मु0अ0सं0 44/2025 धारा 103(1)/238बी/61(2) बीएनएस थाना रानीपुर जनपद बहराइच से संबंधित वांछित 02 अभियुक्त अजय कुमार पुत्र स्व0 फूलचन्द उम्र करीब 26 वर्ष, ननके उर्फ ननकू पुत्र स्व0 रामफल उम्र करीब 51 वर्ष निवासी गण ग्राम दुर्गापुर थाना रानीपुर बहराइच को हरिहर पुर रोड से निजामपुर रोड की ओर मुड़कर गौशाला रोड पर थाना स्थानीय की पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया व हत्या में प्रयुक्त आला कत्ल एक तकिया बरामद किया गया।

विश्व हिन्दू महासंघ ने निकाली ममता बनर्जी की शव यात्रा

राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन, पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन की मांग

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। सोमवार को विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के नेतृत्व में महासंघ पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने कम्पनीबाग चौराहे से कटरा पानी टंकी, पुलिस अधीक्षक कार्यालय होते हुये तिरंगा तिराहे तक पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की शव यात्रा निकालकर प्रदर्शन किया। इसके बाद जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन देकर पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून को लेकर हो रहे दंगों, हिन्दुओं के कत्लेआम को देखते हुये राष्ट्रपति शासन की मांग किया गया। ज्ञापन देने के बाद हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि मुर्शिदाबाद में हिंदुओं के साथ अत्याचार किया गया। उनके वाहनों को जलाया गया और संपत्ति को लूटा गया। स्थिति इतनी भयावह है कि हिन्दू परिवार अपने घरों से पलायन करने को मजबूर हैं। पुलिस बल पर भी पथराव की घटनाएं हुई हैं। ऐसी स्थिति में कानून व्यवस्था संभालने की जगह पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पर अनर्गल आरोप लगा रही हैं जो दुर्भाग्यपूर्ण और चिन्ताजनक है। अब स्थितियां विकट हो चली हैं और पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन को लागू किया जाना ही एक मात्र विकल्प रह गया

है। विश्व हिन्दू महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष दिग्विजय सिंह राना ने कहा कि हिंदू समाज हमेशा संवैधानिक परम्पराओं का पालन करता है। लेकिन कुछ लोग देश की शांति व्यवस्था को भंग कर रहे हैं। लैंड जिहाद, लव जिहाद, गोकशी और धार्मिक स्थलों पर हमले की घटनाएं हो रही हैं। घुसपैठिये बड़ी समस्या बन चुके हैं। ऐसे में केन्द्र सरकार प्रभावी हस्तक्षेप कर हिन्दू अस्मिता की रक्षा करें। शव यात्रा और ज्ञापन देने वालों में अजय मिश्रा, सौरभ त्रिपाठी, विजय शंकर शुक्ला, बाबा जयप्रकाश दास, विनय सिंह, अमरजीत सिंह, बिंदु गोपाल त्रिपाठी, शैलेंद्र प्रताप सिंह, अर्पण श्रीवास्तव, विपिन सिंह, राकेश सिंह, किशन गुप्ता आशीष उर्फ कल्लू बाबा, भोला जायसवाल, पूनम सिंह जिला अध्यक्ष मातृ शक्ति, टीममाला, अनुसुइया पाण्डेय, संजू सिंह, प्रिया, कंचन, मंगेश लता, पुष्पा, राधा, अरविंद सिंह, अंकित सिंह, हिन्दजीत गोस्वामी, अमरजीत यादव, राजीव कसौधन, रूपनारायण गौड़, उदय सिंह, सचिन त्रिपाठी, उपेंद्र सिंह, वेद प्रकाश, जय सिंह, बंटी चौधरी आदि शामिल रहे।

टिकोरा पुलिस चौकी हरिकेश सिंह द्वारा चेकिंग वाहन अभियान चलाने से वाहन स्वामियों में मचा हड़कंप

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। बहराइच पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में सोमवार को टिकोरा मोड़ चौकी पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान चलाया, तो वाहन स्वामियों में हड़कंप मच गया। इस दौरान पुलिस ने दो दर्जन से अधिक वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस ने संदिग्धों की भी तलाशी ली। सभी वाहन स्वामियों को यातायात का नियम का पाठ भी पढ़ाया। टिकोरा मोड़ चौकी प्रभारी हरिकेश सिंह ने सोमवार को आर्यावर्त बैंक टिकोरा का निरीक्षण कर सीसीटीवी कैमरे को देखा और उपभोक्ताओं को धोखाधड़ी से बचने के बारे में जानकारी दी। सीतापुर व लखनऊ से गुजर रहे वाहनों की सघन चेकिंग भी की। चौकी प्रभारी हरिकेश सिंह ने बताया कि चेकिंग अभियान में दो दर्जन से अधिक वाहनों का चालान किया गया। बिना हेलमेट, प्लेट नंबर, टैंपू में अतिरिक्त सवारियों को ढोने वाले वाहनों का चालान किया गया है। सभी वाहन चालकों को यातायात के नियमों को बताया गया है। दो पहिया चलाते समय हेलमेट व चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें।

बाबा साहेब का जीवन समतामूलक समाज के निर्माण के लिए समर्पित था: रामचंद्र कनौजिया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर सोमवार को अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति विचार गोष्ठी सम्पन्न हुयी। गोष्ठी में बतौर मुख्यअतिथि अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रामचन्द्र कनौजिया व विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा सुधीर हलवासिया मौजूद रहे. गोष्ठी का शुभारम्भ पं0 दीनदयाल उपाध्याय व डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन कर किया। गोष्ठी की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल व संचालन क्षेत्रीय अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा अजीत रावत ने किया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि रामचंद्र कनौजिया ने कहा बोधिसत्व भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का जीवन समतामूलक समाज के निर्माण के लिए समर्पित था वंचितों दलितों और कोटि कोटि मानवों को अधिकार दिलाना उनका संकल्प था वे सामान्य मनुष्य नहीं बल्कि एक महामानव थे बाबा साहब का मिशन देश का मिशन है यह व्यक्ति का मिशन नहीं है. भारत की मजबूती का मिशन है एकता और अखण्डता का मिशन है भारत को दुनिया की बड़ी ताकत बनाने का मिशन है. बाबा साहब के संकल्पों को पूर्ण करने हेतु भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार पूर्णत प्रतिबद्ध है। जिसमें प्रधानमंत्री जी के पहल पर देश के करोड़ों वंचितों के आत्मबोध, स्वाभिमान और उनके सम्मान हेतु भारत रत्न भीमराव अंबेडकर जी से जुड़े पांच स्थानों का पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया गया है. जिसमें मध्यप्रदेश के महू में बाबा साहब की जन्मभूमि, लंदन में डॉ0 अंबेडकर मेमोरियल बाबा साहब की शिक्षा भूमि, नागपुर महाराष्ट्र बाबा साहब की दीक्षा भूमि, मुंबई महाराष्ट्र बाबा साहब की चैत्य भूमि, दिल्ली बाबा साहब की महापरिनिर्वाण भूमि को पंचतीर्थ के रूप में आज दुनिया में जाना जा रहा है। इसी तरह से उत्तर प्रदेश की सरकार ने भी लखनऊ में भारत रत्न डॉ0 भीमराव अंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केन्द्र का निर्माण जिसमें बाबा साहब की 25 फिट ऊंची प्रतिमा, पुस्तकालय, शोध केन्द्र, अत्याधुनिक प्रेक्षागृह एवं संग्रहालय की स्थापना श्रमिकों एवं वंचितों के बच्चों की उत्तम

शिक्षा हेतु सभी 18 मण्डल मुख्यालयों पर अटल आवासीय विद्यालय का संचालन डॉ0 भीमराव अंबेडकर छात्रावास योजना अनुसूचित जाति जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के छात्रों को शिक्षा में सहायता के लिए छात्रावासों का पुनर्निर्माण और नवनिर्माण प्रदेश सरकार द्वारा कराया गया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि सुधीर हलवासिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली मोदी की सरकार ने बाबा साहब के विचारों की प्रेरणा से लगातार काम कर रही है. प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार ने ऐसी कई योजनाएं शुरू की है जिनका मूल उद्देश्य अनुसूचित वर्ग का कल्याण है ताकि परंपरागत रूप से पिछड़े हुए इस वर्ग के लोग सबल बन सकें उनके आत्म सम्मान में वृद्धि हो और वे समाज और देश की प्रगति में बराबर के साझेदार बन सकें। बाबा साहब ने धारा 370 का उस समय पुरजोर विरोध किया था और उन्होंने यह भी कहा था कि जब देश में भ्रष्टाचार चरम पर हो जाये तो देश की करेंसी को भी समय समय पर बदलते रहना चाहिए। आज उन्ही के विचारों को मोदी ने पूर्ण करके दिखाया है। गोष्ठी को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड ने कहा कि बाबा साहब के सपनेय जिसकी परिकल्पना थी अन्त्योदय, आज बाबा साहब के नाम पर तमाम राजनीतिक दल अपनी रोटी सेंकते है और उनके सिद्धांतो उनकी परिकल्पना को भूल जाते है. विगत 70 सालों से देश में कांग्रेस की सरकार रही परन्तु बाबा साहब को भारत रत्न का सम्मान नहीं दे सकी लेकिन भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने बाबा साहब को भारत रत्न देकर सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित किया है। गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी अनिल सिंह ने कहा कि बाबा साहब डॉ0 भीमराव अंबेडकर जी के विजन को भारतीय जनता पार्टी की सरकार संकल्प के रूप में लेकर काम कर रही है प्रधानमंत्री मोदी जी के प्रेरणा से स्वदेशी रूप से विकसित नये भुगतान एप्प (भीम एप्प) भारत इंटरफेस फॉर मनी का नाम भारत के संविधान के मुख्य वास्तुकार डॉ0 भीमराव अंबेडकर जी के नाम पर रखा गया इस एप्प के माध्यम से सबसे गरीब व वंचित वर्ग के लोगों के व्यवसाय को प्रौद्योगिकी के माध्यम से सशक्त बनाया जा रहा है इसी तरह से डबल इंजन की सरकार द्वारा अनेकों योजनाएं अनुसूचित समाज एवं गरीबों के लिए समर्पित है। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल जी ने आये हुए अतिथियों का अंगवस्त्र देकर स्वागत किया साथ ही विचार गोष्ठी में आये हुए सभी प्रबुद्ध लोगों का आभार प्रकट कर धन्यवाद ज्ञापित किया। गोष्ठी में मुख्यरूप से पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मवीर तिवारी, अजीत चौबे, पूर्व सांसद रामशकल जी, नरेन्द्र कुशवाहा, नगर पालिका चेयरमैन रूबी प्रसाद, जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश दुबे, अशोक कुमार मौर्या, जिला महामंत्री, कृष्णमुरारी गुप्ता, रामसुन्दर निषाद, नागेन्द्र गोंड, सरजू बैसवार, अमरेश चेरो, सुषमा गोंड, ज्योति खरवार, कैलाश बैसवार, पन्नालाल पासवान, पुष्पा सिंह, ओमप्रकाश यादव, कमलेश चौबे, बृजेश श्रीवास्तव अनिल सिंह, आलोक सिंह, बीएन गुप्ता, कुसुम शर्मा सहित आदि लोग मौजूद रहे।

जनपदवासियों को अग्निकांड एवं लू (हीटवेव) से सावधानियाँ बरतने की जरूरत: अपर जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। अपर जिलाधिकारी सहदेव कुमार मिश्र ने अवगत कराया है कि जनपद सोनभद्र के नागरिकों को अग्निकांड एवं लू (हीटवेव) से सुरक्षा हेतु समस्त आवश्यक जानकारी, सावधानियाँ, सरकारी प्रयास एवं आपातकालीन व्यवस्था हेतु अपील की गई है, उन्होंने कहा है कि जनपद सोनभद्र में गर्मी का प्रकोप दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है, तापमान में निरंतर वृद्धि और हवा में नमी की कमी के कारण अग्निकांड की घटनाएं एवं लू लगने के खतरे में भी इजाफा हुआ है. ऐसी स्थिति में आमजन को सतर्क रहने, सावधानी बरतने एवं प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि अग्निकांड से बचाव हेतु विस्तृत सुझाव-विद्युत सुरक्षा, खराब तारें, खुले कनेक्शनों या ओवरलोडिंग से बचें अधिक लोड वाले उपकरणों को एक साथ न चलाएं, अनावश्यक रूप से पंखा, बल्ब, कूलर आदि चालू न रखें. गैस एवं रसोई सुरक्षा, खाना बनाते समय रसोई में सतर्कता रखें, सिलेंडर का वाल्व प्रयोग के बाद अवश्य बंद करें, रसोई के पास ज्वलनशील वस्तुएं न रखें, फसल और खेत सुरक्षा, फसल काटने के बाद खेतों में आग लगाना पूर्णतः प्रतिबंधित है। पशु चारे एवं भूसे के ढेरों को सुरक्षित स्थान पर रखें, ग्राम प्रधान एवं सक्रिय ग्रामीणों को सतत जागरूक करें सार्वजनिक स्थानों पर सावधानी, कूड़े में आग न लगाएं, बाजारों एवं गोदामों में अग्निशमन यंत्र रखें एवं उनका प्रशिक्षण लें, आपातकालीन स्थिति में कार्यवाई, आग लगने की स्थिति में तुरंत 101 या जिला नियंत्रण कक्ष को सूचना दें, आग पर स्वयं काबू पाने की कोशिश न करें, प्रशिक्षित दल का इंतजार करें। उन्होंने कहा कि लू से बचाव हेतु विस्तृत सावधानियाँ-व्यक्तिगत स्वास्थ्य एवं खानपान, अधिक से अधिक पानी पिएं, चाहे प्यास लगे या न लगे, प्याज, नींबू पानी, जलजीरा, छाछ आदि का सेवन करें, जंक फूड और अत्यधिक तली-भुनी चीजों से बचें, बाहरी गतिविधियाँ सीमित करें, 12 बजे से 4 बजे के बीच घर से बाहर न निकलें, यदि आवश्यक हो, तो छाता, टोपी या गमछा सिर पर रखें, कपड़े एवं पहनावा, सूती, हल्के रंग के एवं ढीले कपड़े पहनें, शरीर को पूरी तरह ढक कर निकलें, खास वर्गों के लिए अतिरिक्त सावधानी, वृद्धजन, छोटे बच्चे, गर्भवती महिलाएं और बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखें, इन वर्गों को धूप में निकलने से रोकें, लक्षण पहचानें और तुरंत चिकित्सा लें, लू लगने के लक्षणों में अत्यधिक थकान, तेज बुखार, सिर दर्द, चक्कर, उल्टी, बेहोशी आदि शामिल है, ऐसे लक्षण दिखते ही नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर तुरंत जाएं। उन्होंने बताया कि प्रशासन द्वारा उठाए गए कदम-सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर लू पीड़ितों के उपचार हेतु विशेष कक्ष बनाए गए हैं। दमकल विभाग को हाई अलर्ट पर रखा गया है। प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं वार्ड स्तर पर जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। नगर पालिका एवं ग्राम पंचायतों को सड़क पर छिड़काव, छायादार स्थानों की व्यवस्था एवं जल वितरण व्यवस्था हेतु निर्देशित किया गया है।जिला स्तर पर आपदा नियंत्रण कक्ष 24 घण्टे क्रियाशील है। उन्होंने बताया कि महत्वपूर्ण संपर्क सूत्र आपदा नियंत्रण कक्ष लखनऊ 0544-222384/297645/9454411076, फायर ब्रिगेड (दमकल) 101, एम्बुलेंस सेवा 108, पुलिस सहायता 112, जिला अस्पताल-9517448971, स्वास्थ्य विभाग हेल्पलाइन-7117785766 है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील किया है कि वे स्वयं सजग रहें, दूसरों को जागरूक करें एवं किसी भी आकस्मिक घटना की स्थिति में तुरंत संबंधित विभाग से सपर्क करें। उन्होंने कहा कि "सावधानी ही सुरक्षा है, सतर्क रहें सुरक्षित रहें।

अपर पुलिस अधीक्षक ने किया विवेचना रजिस्टर का निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। पुलिस लाईन चुर्क स्थित सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कालू सिंह द्वारा जनपद के समस्त विवेचकों के विवेचना रजिस्टर का निरीक्षण व बीट सुदृढीकरण के सम्बन्ध में जनपद के समस्त बीट कर्मियों के बीट बुक का निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण के दौरान बीट कर्मियों को बीट क्षेत्र में नियमित रूप से भ्रमण करते हुये बीट क्षेत्र में होने वाले अवैध कार्यों के सम्बन्ध में अभिसूचना संकलन करने तथा अवैध शराब/मादक पदार्थों/छेड़खानी/महिला उत्पीड़न में लिप्त अपराधियों व मनचलों/शोहदों के सम्बन्ध में जानकारी एकत्र किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही बीट में प्रभावी कार्यवाही हेतु उच्चाधिकारीगण से प्राप्त निर्देशों से अवगत कराते हुये ब्रीफ किया गया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय द्वारा बीट कर्मियों से उनकी समस्याओं के बारे मे पूछा गया तथा प्रकाश में आने वाली समस्याओं के निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारीगणों को निर्देशित किया गया।

राज्य मंत्री ने एम्बुलेंस को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। प्रदेश सरकार के समाज कल्याण राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में 108 डायल की 15 एम्बुलेंस को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किये, इस दौरान मंत्री ने एक एडवांस लाइफ सपोर्ट सिस्टम एम्बुलेंस को भी हरी झण्डी दिखाकर रवाना किये, इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 अश्वनी कुमार, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी,कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इस दौरान उन्होंने ने कहा कि जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के उद्देश्य से 108 डायल नम्बर की कुल 21 एम्बुलेंस रिप्लेश के रूप में अब तक जनपद को प्राप्त हुई है। जिसमें से आज 15 एम्बुलेंस व एक एडवांस लाइफ सपोर्ट सिस्टम की एम्बुलेंस को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया, जनपद में रिप्लेस के रूप में प्राप्त एम्बुलेंसों से जनपद में स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होगीं और लोगों को समुचित ईलाज की सुविधा समय से उपलब्ध हो सकेगी।

छात्राओं को हेल्पलाइन नम्बरों की जानकारी देकर किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। जिला प्रोबेशन अधिकारी के आदेश के क्रम में

स्वतंत्रता के अमृत काल में भारत रत्न बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में सोमवार को जय प्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय उरमौरा रॉबर्ट्सगंज सोनभद्र में कार्यक्रम का आयोजन कर बालिकाओं को चाइल्ड हेल्प लाइन नंबर 1098, 181 महिला हेल्प लाइन,पुलिस सहायता नंबर 112 और कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन, स्पॉन्सरशिप योजना के बारे में जानकारी दी गई। उक्त कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण इकाई से संरक्षण अधिकारी गायत्री दुबे, रोमी पाठक, सामाजिक कार्यकर्ता वीणा राय, चाइल्ड हेल्प लाइन से सुपरवाइजर सुधा गिरी,वन स्टॉप सेंटर से केश वर्कर तनु सिंह, विद्यालय की उप प्रधानाचार्य कल्पना सिंह, अध्यापिका कुसुम यादव,सुषमा, साधना यादव, वंदना सिंह व छात्राएं आदि उपस्थित रही।

निकायों में निर्धारित शुल्क जमा कर व अनुमति लेकर निर्धारित स्थलों पर ही लगाए जाएं होडिंग,विज्ञापन बोर्ड-जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। आयुक्त विन्ध्याचल मण्डल मीरजापुर बालकृष्ण त्रिपाठी के निर्देशन में व जिलाधिकारी के नेतृत्व में जनपद के सभी नगरीय निकायों में अधिशासी अधिकारी द्वारा अभियान चलाकर अवैध होर्डिंग्स, बैनर ,विज्ञापन बोर्ड आदि को हटाया जा रहा है। अवैध होर्डिंग्स, बैनर, विज्ञापन बोर्ड हटाये जाने को लेकर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया है कि चट्टी-चौराहों, फुटपाथ और डिवाइडर पर लगे साइनेज को भी हटाये जावे, तेज हवा,आंधी ,तूफान में होर्डिंग व विज्ञापन बोर्ड आदि के गिरने से जान माल की सुरक्षा व अतिक्रमण मुक्त के दृष्टिगत भी उन्हें हटाया जा रहा है, संबंधित नगरीय निकाय कार्यालय में निर्धारित शुल्क व अनुमति लेने के बाद ही निर्धारित स्थलों पर ही होर्डिंग, बैनर ,विज्ञापन बोर्ड लगाया जाए। जो भी व्यक्ति, दुकानें, फर्म बिना अनुमति के सार्वजनिक स्थलों पर होर्डिंग, बैनर, विज्ञापन बोर्ड लगाए हैं उन्हें स्वयं तत्काल हटा लें, अन्यथा नगरीय निकाय टीम द्वारा लगी प्रचार सामग्री जब्त करते हुई बिना अनुमति लगाने पर जुर्माना भी वसूल करेगी।

पुलिस अधीक्षक नें जनता दर्शन में आए फरियादियों की सुनी गई समस्याएं

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक द्वारा सोमवार को जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आदेशित किया गया। महोदय द्वारा सभी थाना प्रभारियों को सचेत किया गया कि जनसुनवाई/महिला हेल्पडेस्क को और अधिक प्रभावशाली बनाये ताकि पीड़ित/शिकायतकर्ता को अनावश्यक रूप से अपने थाने से पुलिस कार्यालय आने की आवश्यकता न हो। साथ ही निर्देशित किया गया कि जिस समस्या का समाधान थाना स्तर से हो सकता है उनका समाधान थाना स्तर पर ही समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराना सुनिश्चित करें। इसी क्रम में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारीगण व थाना प्रभारियों द्वारा कार्यालय/थाना पर जनसुनवाई करते हुए प्राप्त जन शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया जा रहा है।

मिशन शक्ति अभियान के तहत किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। शासन द्वारा बालिकाओं/महिलाओं की सुरक्षा व महिला जागरूकता एवं सशक्तिकरण के दृष्टिगत चलाये जा रहे मिशन शक्ति (फेज-05) अभियान के तहत श्री अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में महिलाओं/बालिकाओं की सुरक्षार्थ जनपद में गठित एण्टी रोमियों स्क्वाड द्वारा प्रतिदिन मंदिर/भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर गश्त कर बालिकाओं/महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा के सम्बन्ध में जागरूक एवं चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। उक्त निर्देश के क्रम में नारी सुरक्षा व नारी सम्मान हेतु चलाये जा रहे मिशन-शक्ति अभियान के अन्तर्गत जनपद के समस्त थानो मे गठित एण्टी रोमियो स्क्वाड टीम द्वारा स्कूलों/कॉलेजो, मंदिर/भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर चेकिंग की गई तथा बालिकाओं/महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा सम्बन्धी उपायों के बारे में जागरूक किया गया तथा उपस्थित महिलाओं/बालिकाओं/छात्राओं को यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सुरक्षा संबंधित सेवाएं जैसे- वुमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108 एवं अपने अपने सीयूजी नम्बरों के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया गया । साथ ही साथ यह भी बताया गया कि अपने आस-पास के लोगों को साइबर अपराधों के बारे में जागरूक करें और उन्हें बतायें कि यदि कोई व्यक्ति साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है तो उसकी सूचना तत्काल हेल्पलाइन नम्बर 1930/112 पर दें जिससे समय रहते ही अग्रिम कार्यवाई की जा सके।

कार्यालय : ग्रा.पं.- पापी,
वि.खं.- करमा, जनपद- सोनभद्र

पत्रांक पेपी/निविदा/सामग्री/2025-28

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत पापी में वित्तीय वर्ष 2025-2026 में मनरेगा/पंचम/राज्य वित्त आयोग/पन्द्रहवां वित्त आयोग/एस०बी०एम०(जी)/एस०बी०एम०-2 अन्य ग्राम निधियों द्वारा ग्राम पंचायत में कराये जाने वाले कार्यों हेतु वाणिज्यकर/आयकर में पंजीकृत फर्मों से ग्राम पंचायत समिति की अन्दर निम्न विवरणानुसार कार्यस्थल पर सामग्री आपूर्ति कराये जाने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता अपने फर्म के लेटर पैड पर दिनांक 22.04.2025 से दिनांक 25.04.2025 तक पूर्वाह्न 10 बजे से 5 बजे तक ग्राम प्रधान/सचिव कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते हैं। जिसे दिनांक- 26.04.2025 को 12:30 बजे समिति (निविदादाताओं) जो उपस्थित रहना चाहते हैं के समक्ष खोला जायेगा।

क्र.स.	विवरण	मात्रा	दर
1.	[illegible] 20mm 40mm	[illegible]	——
2.	[illegible]	[illegible]	——
3.	[illegible]	[illegible]	——
4.	[illegible]	[illegible]	——
5.	[illegible]	[illegible]	——
6.	[illegible]	[illegible]	——
7.	[illegible]	[illegible]	——
8.	[illegible]	[illegible]	——
9.	[illegible]	[illegible]	——
10.	[illegible]	——	——

प्रतिबन्ध एवं शर्तें- [illegible]

ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत- पापी,
विकास खण्ड- करमा, सोनभद्र

सचिव/ग्रा.वि.अ.
ग्राम पंचायत- पापी,
विकास खण्ड- करमा, सोनभद्र

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.-UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

रेड 2 का गाना तुम्हे दिल्लगी हुआ रिलीज, अजय देवगन और वाणी कपूर की दिखी दिल को छू लेने वाली केमिस्ट्री

रेड 2 के निर्माताओं ने बेसब्री से प्रतीक्षित अपना नया गाना तुम्हे दिल्लगी लॉन्च कर दिया है –जो कि दिग्गज नुसरत फतेह अली खान के इस प्रतिष्ठित क्लासिक गाने का एक भावपूर्ण रीमेक है। संगीतकार रोचक कोहली द्वारा फिर से तैयार किए गए और जुबिन नौटियाल की शानदार आवाज के जरिए जीवंत किए गए इस गाने में मनोज मुंतशिर और पूर्णम इलाहाबादी के मार्मिक बोल हैं, जो एक गहरी भावनात्मक अंतर्धारा को पकड़ते हैं जो फिल्म के विश्वास, लालसा और छिपी हुई सच्चाइयों के विषयों को दर्शाता है।

एक जीवंत उत्सव की पृष्ठभूमि में सेट किया गया यह गाना फिल्म में एक कोमल अंतराल प्रदान करता है –जो अजय देवगन और वाणी कपूर के बीच बढ़ते संबंध को उजागर करता है। यह क्षण गर्मजोशी और अंतरंगता का एहसास कराता है, लेकिन यह अजय के चरित्र द्वारा सामना किए जाने वाले आंतरिक उथल–पुथल का सूक्ष्म संकेत देता है, क्योंकि उसकी दुनिया के दूसरे हिस्से में चुपचाप तूफान आ रहा है।

जुबिन नौटियाल कहते हैं, तुम्हें दिल्लगी हमेशा से उन सदाबहार गीतों में से एक रहा है जो मेरे साथ रहा है। बचपन में, फिर एक लड़के के रूप में और अब एक आदमी के रूप में मैं अभी भी नुसरत साहब के इस सदाबहार जादू का आनंद ले रहा हूं। इस संस्करण में तड़प की एक गहरी भावना है जिसे मैंने हर नोट के माध्यम से व्यक्त करने की कोशिश की है। यह दो लोगों के बीच की खामोशी, उन भावनाओं को बयां करता है जो अनकही रह जाती हैं। एक ऐसे गीत को फिर से बनाना जिसे मैं लंबे समय से पसंद करता रहा हूं, एक विशेषाधिकार और चुनौती दोनों था –अपनी आवाज के साथ इसकी आत्मा को थामे रखना।

संगीतकार रोचक कोहली कहते हैं, तुम्हें दिल्लगी जैसे क्लासिक को फिर से कल्पना करना जिम्मेदारी की भावना के साथ आया। मूल फिल्म में बहुत भावनात्मक भार है, और मेरा उद्देश्य इसे सम्मान देना था, साथ ही इसे एक ऐसा स्वरूप देना था जो रेड 2 की 80á90 के दशक की दुनिया में फिट हो। यह पुरानी यादों को सिनेमाई संदर्भ के साथ मिलाने के बारे में है जो ताजा लगता है, फिर भी भावनाओं में गहराई से निहित है। राज कुमार गुप्ता द्वारा निर्देशित, रेड 2 को इस साल की सबसे मनोरंजक फिल्म माना जा रहा है। युद्ध की रेखाएँ खींची जा चुकी हैं, और दांव ऊंचे हैं –क्या आप अंतिम मुकाबले के लिए तैयार हैं? फिल्म में कई कलाकार हैंरू अजय देवगन, रितेश देशमुख, वाणी कपूर, सुप्रिया पाठक, सौरभ शुक्ला और अमित सियाल, इस उच्च–दांव वाले सीक्वल में शामिल होने वाले अन्य प्रसिद्ध अभिनेता।

रेड 2 का निर्माण भूषण कुमार, कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक और कृष्ण कुमार ने किया है। फिल्म को गुलशन कुमार और टी–सीरीज द्वारा प्रस्तुत किया गया है और यह पैनोरमा स्टूडियो द्वारा निर्मित है। राज कुमार गुप्ता द्वारा निर्देशित, रेड 2 1 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

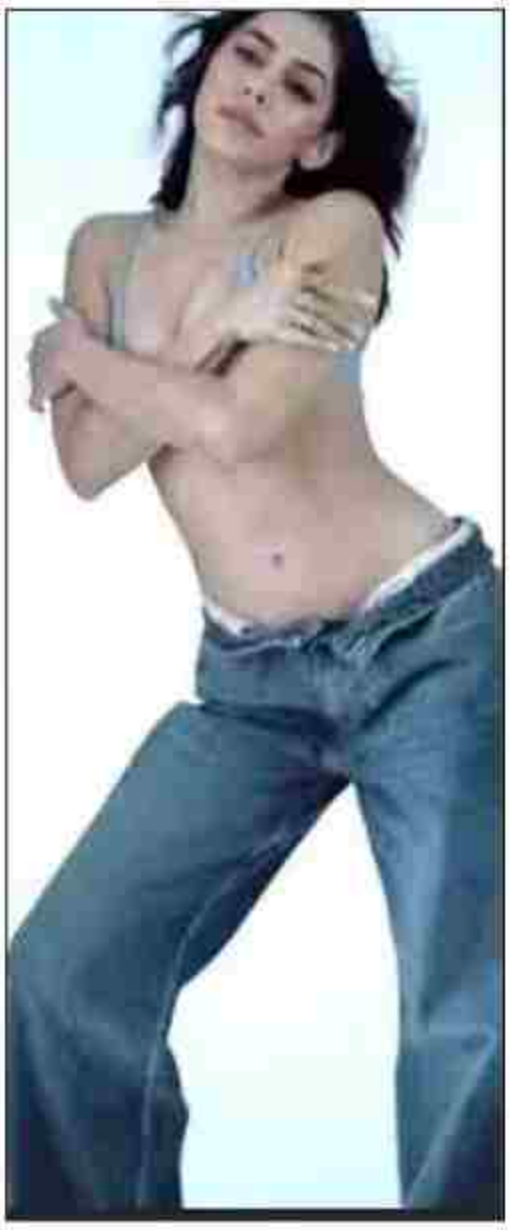

अलाया एफ का बोल्ड वीडियो इंटरनेट पर मचा रहा तहलका, फैंस बोले : हॉटनेस ओवरलोड

अलाया एफ का बोल्ड अवतार एक बार फिर इंटरनेट पर छा गया है. एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो बिकिनी टॉप और बैगी डेनिम्स में नजर

आ रही हैं. कैमरे के सामने उनका कॉन्फिडेंस, एटीट्यूड और बोल्डनेस देख फैंस के दिलों की धड़कनें तेज हो गई हैं. इस वीडियो को पोस्ट करते हुए अलाया ने लिखा, यह वीडियो मेरे ड्राफ्ट में धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा कर रहा है. लेकिन जैसे ही ये वीडियो लाइव हुआ, फैंस ने कमेंट्स और लाइक्स की बौछार कर दी. किसी ने उन्हें दिल चुराने वाला कहा, तो कोई उनकी हॉटनेस का दीवाना हो गया.

वीडियो में अलाया एफ का स्टाइल और एक्सप्रेशंस बेहद कातिलाना है. उन्होंने इस लुक में अपनी फिटनेस और फैशन सेंस को जबरदस्त अंदाज में फ्लॉन्ट किया है. मनीषी छिल्लर समेत कई सेलेब्स ने इस पोस्ट को लाइक किया है. वर्कफ्रंट की बात करें तो अलाया एफ अपनी परफॉर्मेंस और फैशन चॉइस के चलते लगातार सुर्खियों में बनी रहती हैं. यह वीडियो एक बार फिर साबित करता है कि वो ग्लैमर वर्ल्ड की अगली सेंसेशन बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं.

अगर आपको ये वीडियो अभी तक नहीं देखा है, तो अलाया के इंस्टाग्राम पर जाकर जरूर देखें –यह वीडियो आपके दिन को और भी हॉट बना देगा.

कपिल शर्मा की फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 का नया पोस्टर जारी, पारंपरिक ईसाई विवाह के लिए तैयार होकर आए अभिनेता

कपिल शर्मा ने एक बार फिर अपने फैन्स को किस किस को प्यार करू 2 के चौथे पोस्टर से सरप्राइज दिया है। इस बार, वह एक पारंपरिक ईसाई विवाह के लिए तैयार होकर आए हैं और उनके साथ एक रहस्यमयी दुल्हन भी है। शानदार टक्सीडो पहने कपिल एक नया कॉमेडी अनुभव लेकर आए हैं जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फेरों से लेकर वचनों तक, कपिल की जटिल प्रेम कहानी विवाह के विभिन्न पहलुओं को दर्शाती है। प्रत्येक पोस्टर में एक नई रहस्यमयी दुल्हन और एक नई चुनौती को दर्शाया गया है, जो इस वर्ष एक और हास्यपूर्ण अनुभव के लिए मंच तैयार कर रहा है। पत केकेपीके2 एक शानदार शादी कॉमेडी होने का वादा करता है, जिसमें कपिल का किरदार अब एक बहुसांस्कृतिक वैवाहिक उलझन में फंस गया है! कपिल शर्मा और मनजोत सिंह अभिनीत इस फिल्म में हास्य, भ्रम और अराजकता का अनूठा मिश्रण है, जिसने पहले भाग को दर्शकों के बीच लोकप्रिय बना दिया था। अनुकल्पा गोस्वामी द्वारा निर्देशित किस किस को प्यार करो 2 का निर्माण रतन जैन, गणेश जैन और अब्बास–मस्तान ने वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट के सहयोग से किया है।

सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी में धमाल मचाएगी मोहनलाल की फिल्म एल 2:एम्पुरान, जियो हॉटस्टार पर 24 अप्रैल से होगा प्रीमियर

सुपरस्टार मोहनलाल की मलयालम फिल्म एल 2रू एम्पुरान सिनेमाघरों में रिलीज के एक महीने बाद ओटीटी पर दस्तक देने वाली है। मोहनलाल ने खुद इसकी घोषणा करते हुए ट्वीट किया है। 27 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म ने 22 दिनों में वर्ल्डवाइड 265.74 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है। यह मॉलीवुड की अब तक की सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है।

पृथ्वीराज सुकुमारन के डायरेक्शन में बनी एल2रू एम्पुरान पर बीते दिनों खूब विवाद भी हुआ है। फिल्म में 2002 के गुजरात दंगों के सीन्स के कारण इसे राजनीतिक आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। मेकर्स ने विवाद बढ़ता देख खुद ही फिल्म से कुल 3 मिनट के सीन्स हटा दिए। हालांकि, बावजूद इसके विरोध के सुर शांत नहीं हुए।

एल 2रू एम्पुरान असल में साल 2019 में रिलीज मोहनलाल और पृथ्वीराज सुकुमारन की ही सुपरहिट फिल्म लूसिफर का सीक्वल है। फिल्म का बजट 180 करोड़ रुपये बताया जाता है। जबकि इसने देश में 22 दिनों में 105.47 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है। यह दिलचस्प है कि मलयालम की सबसे अधिक कमाई वाली फिल्म बनने के बावजूद एल 2रू एम्पुरान अपने बजट के कारण हिट साबित नहीं हुई है। एक और मजेदार बात यह है कि फिल्म ने देश से ज्यादा विदेशों में कमाई की है।

फिल्म की कहानी पिछली फिल्म से आगे बढ़ती है। जहां अपने दत्तक पिता रामदास (सचिन खेडेकर) के निधन के बाद स्टीफन (मोहनलाल) ने सत्ता उनके पुत्र जतिन (टोविनो थॉमस) को सौंप दी थी। लेकिन पांच साल पूरा कर चुका जतिन अब भ्रष्ट हो चुका है। वह पिता के सपनों को पूरा करने की बजाय दोबारा सत्ता हासिल करने के लिए सांप्रदायिक दलों से गठजोड़ कर लेता है। भाई को गलत रास्ते पर जाता देख उसकी बहन प्रियदर्शिनी (मंजू वॉरियर) उसके विरोध में राजनीति में उतर जाती है। लेकिन जब प्रियदर्शिनी मुश्किलों से घिर जाती है, तो उसे बचाने के लिए स्टीफन वापस लौटता है।

मोहनलाल ने एक्स पर पोस्ट करते हुए जानकारी दी है कि एल 2रू एम्पुरान इसी महीने 24 अप्रैल को ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर रिलीज होगी। हालांकि, अभी यह फिल्म मलयालम, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ भाषा में ही स्ट्रीम होगी। ऐसे में हिंदी के दर्शकों को इसके लिए अभी थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा।

मोहनलाल जहां इस फिल्म में लीड रोल में हैं, वहीं उनके साथ फिल्म के डायरेक्टर और एक्टर पृथ्वीराज सुकुमारन भी सपोर्टिंग रोल में हैं। इन दोनों दिग्गजों के अलावा एल 2रू एम्पुरान में अभिमन्यु सिंह, मंजू वॉरियर, टोविनो थॉमस, इंद्रजीत सुकुमारन, जेरोम फ्लिन, एंड्रिया तिवदार, साईकुमार, बैजू संतोष, सूरज वेंजारामूडु और किशोर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

गर्मियों के दौरान पहनें ऐसे सनग्लासेस, दिखेंगी बेहद आकर्षक

सनग्लासेस न केवल आंखों को सूरज की हानिकारक किरणों से बचा सकते हैं, बल्कि गर्मियों के दौरान स्टाइलिश दिखने में भी मदद कर सकते हैं।

सही सनग्लासेस का चयन करना जरूरी है ताकि आप आरामदायक महसूस करें और साथ ही आपके लुक में चार चांद लग जाएं।

आइए कुछ ऐसे सनग्लासेस के बारे में जानते हैं, जो इस मौसम के लिए बेहतरीन हैं और आपको भीड़ से अलग दिखाएंगे।

बड़े फ्रेम वाले सनग्लासेस: बड़े फ्रेम वाले सनग्लासेस इस गर्मी के मौसम में काफी चलन में हैं। ये न केवल आपके चेहरे को अच्छी तरह से ढकती हैं, बल्कि धूप से भी आपकी आंखों को बचाती हैं।

इनका चयन करते समय ध्यान रखें कि फ्रेम का रंग और डिजाइन आपके कपड़ों से मेल खाता हो ताकि आपका लुक पूरा हो सके।

बड़े फ्रेम वाले सनग्लासेस खासतौर पर उन लोगों के लिए बेहतरीन होती हैं, जो लंबे समय तक धूप में रहते हैं।

रंग–बिरंगे लेंस वाले सनग्लासेस: रंग–बिरंगे लेंस वाले सनग्लासेस इस साल बहुत लोकप्रिय हो रही हैं। ये न केवल देखने में आकर्षक लगती हैं, बल्कि आंखों को भी अलग–अलग रंगों की रोशनी से बचाती हैं।

नीला, हरा, पीला आदि रंगों के लेंस आपके लुक को खास बना सकते हैं। इन लेंस वाले सनग्लासेस को पहनकर आप किसी भी मौके पर अलग और स्टाइलिश दिख सकती हैं।

इसके अलावा ये लेंस आपकी आंखों को आरामदायक महसूस कराते हैं और धूप से बचाते हैं।

मोटे फ्रेम वाले सनग्लासेस: मोटे फ्रेम वाले सनग्लासेस इस मौसम का एक खास हिस्सा बन गए हैं। ये न केवल मजबूत होते हैं बल्कि बहुत ही स्टाइलिश भी दिखते हैं।

इनके फ्रेम्स में गोल, चौकोर और आयताकार तीनों ही आकार उपलब्ध होते हैं, जो किसी भी चेहरे पर अच्छे लगते हैं।

इन चश्मों को आप रोजमर्रा की जिंदगी में या खास मौकों पर पहन सकती हैं। मोटे फ्रेम वाले सनग्लासेस आपके लुक को खास बनाते हैं।

कैट–आई शेप वाले सनग्लासेस: कैट–आई शेप वाले सनग्लासेस हमेशा से ही फैशन में रहे हैं और इस बार भी यह पीछे नहीं हटे हैं।

इनका अनोखा डिजाइन आपके चेहरे को एक अलग ही आकर्षण देता है। कैट–आई शेप वाले सनग्लासेस खासतौर पर महिलाओं के बीच लोकप्रिय हैं क्योंकि ये उन्हें एक ग्लैमरस लुक देते हैं।

इन्हें आप किसी भी अवसर पर पहन सकती हैं, चाहे वह रोजमर्रा की जिंदगी हो या कोई खास पार्टी।

बड़े गोल आकार वाले सनग्लासेस: अगर आप कुछ नया आजमाना चाहती हैं तो बड़े गोल आकार वाले सनग्लासेस आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं।

ये न केवल देखने में अलग लगते हैं बल्कि बहुत ही आरामदायक भी होते हैं। इनका आकार हर प्रकार के चेहरे पर अच्छे लगते हैं और इन्हें आप किसी भी मौके पर पहन सकती हैं।

बड़े गोल आकार वाले सनग्लासेस आपके लुक को खास बनाते हैं और आपको भीड़ से अलग दिखाते हैं।